WINGS

ANSWER KEY

तारिणी

CLASS 1 To 5

हिन्दी पाठ्यपुस्तक

PURPLE STROKE

WINGS EDUCATION

Leading Publisher Of Children Books

wingseducationbooks@gmail.com

लेखिका
सावित्री बसेर
एम.ए. (हिन्दी) • बी.एड.

पाठ-1 वर्णमाला – मौखिक – (क) छात्र स्वयं करें। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः; क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, द, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह, क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, ड़, ढ़ **(घ)** 1. क 2. ग 3. ठ 4. थ 5. प 6. र

पाठ-2 दो-तीन-चार वर्णों के शब्द – मौखिक – (क) दो वर्ण – जल, नभ, चल, हट, पल; **तीन वर्ण** – नहर, पहर, शहर, लहर, अगर; **चार वर्ण** – पनघट, झटपट, करवट, नटखट, गरदन **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** जग, शलगम, अचकन, रथ, मटर, कमल, अजगर, घर **(घ)** 1. नल 2. नहर 3. मटर 4. कमल 5. शलगम 6. अचकन 7. हवन 8. अजगर **(ङ)** 1. तन 2. जग 3. महल 4. बटन 5. अजगर 6. पलटन 7. जलचर। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 'आ' की मात्रा (ा) – मौखिक – (क) पापा, मामा, काजल, बादल, बादाम **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. छाता 2. कार 3. माला 4. गाजर 5. आसन 6. बाजा 7. हाथ 8. टमाटर **(घ)** 1.आम 2. आग 3. आसन 4. हाथ 5. माला 6. छाता 7. बाजा 8. बाल **(ङ)** 1. टमाटर 2. मटर। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 'इ' की मात्रा (ि) – मौखिक – (क) किरण, बारिश, दिन, बिल, सियार **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. लिफ़ाफ़ा 2. टिकट 3. सितार 4. डाकिया 5. रिमझिम **(घ)** 1. बरखा 2. पत्र 3. शिखा 4. विशाल 5. टिकट **(ङ)** 1. हिरन 2. सितार 3. किला 4. चिड़िया **(च)** 1. हिलना 2. किशमिश 3. किताब 4. साइकिल 5. शिमला 6. मिठाई 7. पिता 8. टिकटिक 9. नारियल 10. हिरन 11. किला 12. तकिया 13. गिटार 14. डलिया 15. टिकट **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 'ई' की मात्रा (ी) – मौखिक – (क) लीची, नील, तितली, जीरा, चील **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. मीना 2. किताब 3. भली लड़की की बात 4. चावल की खीर **(घ)** 1. गीता 2. लड़की की **(ङ)** 1. चीता 2. खिड़की 3. दीया 4. नीम **(च)** 1. तीन 2. जीरा 3. मीना 4. तीतर 5. चीनी 6. मछली 7. हीरा 8. सरकारी **(छ)** 1. मछली 2. हाथी 3. चील 4. तीर 5. बकरी 6. चाबी **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 'उ' की मात्रा (ु) – मौखिक – (क) दुकान, पुलाव, गुलाब, कछुआ, भुना **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. गुड़िया 2. साबुन **(घ)** 1. पुड़िया 2. बुआ 3. दवाई (ङ) 1. धनुष 2. गुलाब 3. कछुआ 4. साबुन

पाठ-7 'ऊ' की मात्रा (ू) – मौखिक – (क) फूल, आलू, खजूर, अमरुद, सूरज। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. खरबूज और तरबूज। 2. खरबूजा मीठा था। 3. पूजा खरबूजा काट रही थी। 4. नूतन ने तरबूज का रस पीया। **(घ)** 1. लाल 2. पूजा ने **(ङ)** 1. खजूर 2. फूल 3. तरबूज 4. कबूतर 5. डमरू 6. भालू **(च)** 1. भालू 2. तरबूज 3. घड़ी 4. आम 5. नील 6. खरबूजा 7. तरबूज 8. सूरज 9. कबूतर 10. खजूर **(छ)** 1. धनु 2. भूख 3. घुल 4. खजूर 5. पुलिया 6. घूरना 7. रुई 8. पशु **(ज)** 2. त + र + ब + ू + ज 3. म + ु + क + ु + ल 4. ब + ु + ल + ब + ु + ल 5. त + र + ा + ज + ू **(झ)** 1. बुढ़िया 2. भालू 3. सुराही 4. घड़ी।

संयुक्त अभ्यास – (क) 1. बटन 2. जलचर 3. किशमिश 4. कबूतर **(ख)** 1. अजगर 2. हिरन 3. कछुआ 4. घड़ी **(ग)** 1. अचकन 2. चिड़िया 3. खिड़की 4. मुर्गी **(घ)** 1. काजल 2. कार 3. टिकट 4. शिमला 5. पीपल 6. कमीज 7. कुटिया 8. खरबूजा।

पाठ-8 'ऋ' की मात्रा (ृ) – मौखिक – (क) मृग, घृणा, ऋषभ, तृण, नृप। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. वन में मृग तृण चर रहा था। 2. ऋषि ने मृग की रक्षा की। **(घ)** 1. तृण 2. कृपाण 3. कृपा 4. कृपाण **(ङ)** 1. मृग 2. वृथा 3. नृप 4. दृग 5. कृपा 6. तृण 7. सृजन 8. कृषक 9. मृदुल 10. घृणा 11. पृथक 12. अमृत **(च)** 1. नृप 2. कृपाण 3. मृग 4. दृग।

पाठ-9 चित्रकथा – छात्र संकेत की सहायता से स्वयं करें।

पाठ-10 'ए' की मात्रा (े) – मौखिक – (क) पेठा, भेड़, सपेरा, बरेली, शेर। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. सब खेत पर गए। 2. सबने बेर, सेब और केले खाए। 3. सुरेश ने शेर की नकल की। 4. आवाज सुनकर सब डरकर भागे। **(घ)** 1. मीठे 2. शेर की **(ङ)** 1. रेल 2. भेड़ 3. पेठा 4. मेला 5. खेत 6. शेर 7. केला 8. ठेला 9. सपेरा 10. सेब 11. जेवर 12. करेला। **(च)** 1. सेब 2. रेल 3. शेर 4. लड़का 5. भेड़ 6. केला 7. पेड़ 8. सपेरा। **(छ)** रेल, मेल, जेल, बेल, तेल। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 'ऐ' की मात्रा (ै) – मौखिक – (क) मैदा, पैसा, रुपैया, पैदल, ततैया। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. मैया 2. चिरैया 3. गैया 4. भैया 5. दैया, दैया **(घ)** 1. मैया 2. गैया **(ङ)** 1. गैया 2. दैया 3. शैतान 4. पैसा 5. मैदान 6. गवैया 7. ततैया 8. सैनिक 9. थैला 10. तैराक **(च)** 1. मैना 2. थैला 3. पैसा 4. बैल 5. गैस 6. सैनिक 7. बैलगाड़ी 8. तैराक **(छ)** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 'ओ' की मात्रा (ो) – मौखिक – (क) टोपी, गोभी, मोटी, डोर, तोता। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. पेड़ पर दो पक्षी रहते थे। 2. मोर जमीन पर नाचता था। 3. मोर पेड़ पर सोता था। 4. तोते ने मोर को फल दिया। **(घ)** 1. मोर को 2. पेड़ पर **(ङ)** 1. तोता 2. मोर 3. खरगोश 4. टोकरी **(च)** 1. कोट 2. दोता 3. सोना 4. घोड़ा 5. धोना 6. बोल 7. वोट 8. खोल 9. बोना **(छ)** 1. म + ो + ह + न 2. ल + ो + म + ड़ + ी 3. ब + ज + ा + अ + ो 4. अ + श + ो + क 5. द + ो + प + ह + र 6. त + ो + त + ा **(ज)** 1. मोटर 2. टोकरी 3. अखरोट 4. गोभी **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 'औ' की मात्रा (ौ) – मौखिक – (क) फौजी, मौसी, पकौड़ी, नौका, दौड़ **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. चौकी 2. जौनपुर 3. चौखट 4. तौलिया 5. गौरी 6. मौका 7. फौजी 8. दौलत 9. पकौड़ी 10. मौलवी 11. फौवारी 12. मौसम **(घ)** 1. घर 2. बड़ा 3. पौधे 4. रखवाली **(ङ)** 1. पौधा 2. सौ 3. हथौड़ा 4. लौकी 5. बिछौना 6. चौदह 7. फौजी 8. कौआ **(च)** 1. चौकी 2. चौकीदार 3. कचौड़ी 4. पौधा **(छ)** 1. हथौड़ा 2. तौलिया 3. चौराहा 4. खिलौना **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

संयुक्त अभ्यास – (क) 1. वृक्ष 2. करेला 3. कोयल 4. तौलिया **(ख)** 1. मोटर 2. टोकरी 3. पौधा 4. औरत **(ग)** 1. नृप 2. शेर 3. बैंगन 4. रोटी **(घ)** 1. कृषक 2. हवेली 3. जलेबी 4. मैया 5. अखरोट 6. कौआ 7. मौसम 8. पैसा।

पाठ-14 'अं' की मात्रा (ं) – मौखिक – (क) रंग, अंग, कंघा, अंगूर, पलंग। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. नटखट 2. घंटा 3. लोग 4. बंदर, केले **(घ)** 1. बंदर 2. घंटाघर 3. कंचन ने 4. दो **(ङ)** 1. मंजन 2. सिंदुर 3. पलंग 4. घंटाघर 5. मंदिर 6. अंगीठी 7. लंगूर 8. सांरगी **(च)** 1. नारंगी 2. मृदंग 3. पंखा 4. अंडा 5. लंगूर 6. तिरंगा। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 'अँ' (ँ) अनुनासिक चंद्रबिंदु – मौखिक – (क) दाँत, गाँव, मुँह, चाँदी, आँगन **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. आँख 2. काँटा 3. यहाँ 4. आँधी 5. बूँद 6. चाँदी 7. चाँटा 8. आँवला 9. आँगन 10. बाँस 11. साँवला 12. ताँगा **(घ)** 1. जाग रहा था 2. गाँव में **(ङ)** 1. अँगूठी 2. ऊँट 3. साँप 4. काँच 5. पाँव 6. कुँआ 7. गाँव 8. चाँद **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 'अः' (:) विसर्ग – मौखिक – (क) प्रायः, स्वतः, मूलतः, अंततः, छः **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. प्रातः 2. क्रमशः 3. नमः 4. छः 5. शनैः 6. फलतः 7. जनः 8. अतः 9. निसंतानः 10. अंततः 11. प्रायः 12. पुनः **(घ)** 1. दुःख 2. अंततः 3. प्रातः **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

संयुक्त अभ्यास – (क) 1. बंदर 2. आँख 3. जनः 4. दुःख **(ख)** 1. घंटाघर 2. गाँव में 3. अंततः **(ग)** 1. अंगूर 2. चाँद 3. ऋषि 4. ऊँट **(घ)** 1. मंदिर 2. आँख 3. ताँगा 4. आँधी 5. प्रायः 6. शनैः

पाठ-18 ईश वंदना – मौखिक – (क) 1. फूल, पक्षी, मनुष्य, पशु, वृक्ष। 2. बच्चे ईश्वर से वरदान माँगते हैं। 3. बच्चे महान बनना चाहते है। **लिखित – (ख)** 1. बच्चे वरदान माँग रहे हैं। 2. फूल अपनी खुशबू से विश्व को महकाना चाहते हैं। 3. बच्चे आतंक मिटाना चाहते है। 4. बच्चे पढ़-लिखकर महान बनना चाहते हैं। 5. बच्चे अन्याय, अनीति, अधर्म और आतंक नष्ट करना चाहते हैं। 6. बच्चे ईश्वर से पूरे जगत का कल्याण चाहते हैं। **(ग)** 1. वरदान 2. महकाना 3. विश्वकल्याण **(घ)** 1. स 2. अ 3. द 4. ब **भाषा ज्ञान – (ङ)** 1. पुष्प, सुमन 2. चंद्रमा, राकेश 3. वृक्ष, वज्र 4. जननी, माता **(च)** 1. असत्य 2. अन्याय 3. अधर्म 4. अज्ञान **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-19 गुड़िया की शादी – मौखिक – (क) 1. संजू और मीनू ने एक दिन अपने गुड्डे और गुड़िया की शादी तय की। 2. संजू की माँ ने गुड़िया का लँहगा बनाया। 3. मीनू की माँ ने गुड्डे की अचकन बनाई। **लिखित – (ख)** 1. शादी के लिए बरफी और लड्डू मँगवाये। 2. संजू और मीनू की सहेलियों ने दीपक जलाएँ। 3. रामू काका ने शंख बजाया। 4. सब मित्रों को शादी का निमंत्रण भेजा गया। **(ग)** 1. लँहगा 2. साफा 3. निमंत्रण 4. लड्डू।

पाठ-20 झूठ का फल – मौखिक – (क) 1. क्योंकि उसको झूठ बोलने की आदत पड़ गई थी। 2. किसानों ने सोचा, 'यह मूर्ख तो रोज ही झूठ बोलता है। इसकी बात का कौन विश्वास करेगा'। 3. झूठ बोलने का परिणाम यह हुआ कि भेड़िए ने उस बालक की एक भेड़ को मार दिया। **लिखित – (ख)** 1. गड़रिए का बेटा जंगल में भेड़े चराने जाता था। 2. उसने चिल्लाकर कहा – ''भेड़िया आया''। 3. उसकी आवाज सुनकर किसान दौड़कर आये। 4. बालक के बार-बार झूठा शोर मचाने पर किसान क्रोधित हुए। **(ग)** 1. बुरी 2. सत्य 3. मरी **(घ)** 1. ब 2. य 3. अ **भाषा ज्ञान – (ङ)** 1. चार भेड़िए 2. चार गायें 3. चार कुएँ 4. चार पुस्तकें 5. चार दरवाजें **(च)** 1. भेड़िया 2. किसान 3. क्रोधित 4. विश्वास 5. गड़रिए। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-21 चंदामामा – मौखिक – (क) 1. बालक सैर करना चाहता है। 2. चंदामामा रात में चमकते है। 3. चंदामामा थक जाते है। 4. चंदामामा हम सब से छिपकर सोते है। **लिखित – (क)** 1. चंदामामा प्यारे लगते है। 2. रात में चंदामामा चमकते हैं। 3. चंदामामा छिपकर सोते है। 4. बच्चे आसमान की सैर करना चाहते हैं। **(ग)** 1. रात 2. शीतल 3. विशाल **(घ)** 1. ब 2. स 3. अ **भाषा ज्ञान – (ङ)** 1. निशा, रात्रि 2. नभ, आकाश **(च)** 1. कराओ 2. लगाओ 3. बताओ 4. जाओ 5. सो जाओ। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-22 दोस्ती – मौखिक – (क) 1. भेड़िए ने गौरैया को दाना चुनते वक्त दबोच लिया। 2. गौरैया ने भेड़िए को उसे छोड़ने को कहा। 3. भालू ने भेड़िए को गुस्से से डाँटा। **लिखित – (ख)** 1. भेड़िए का दोस्त भालू था। भालू बहुत दयालु था। 2. भेड़िए के पंजे में छोटे-छोटे काँटे चुभ गए थे। 3. गौरैया ने अपनी चोंच से भेड़िए के पंजे के सारे काँटे निकालकर उसका दर्द दूर किया। **(ग)** 1. भेड़िए 2. रुई का गुच्छा 3. काँटे **भाषा ज्ञान –** 1. झाड़ी 2. पेड़, पड़ा 3. कढ़ाई 4. कड़ा 5. पढ़ती **(घ)** 1. घोड़ी 2. मोरनी 3. मुर्गी 4. कुत्ती 5. गधी। **(ङ)** 1. निर्दयी 2. खाली 3. उठना 4. पक्का 5. पकड़ना। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-23 मछली रानी – मौखिक – (क) 1. जलयान की तरह 2. जल के अन्दर 3. आटा खाने के लिए **लिखित – (ख)** 1. छात्र स्वयं करें। 2. सतरंगी 3. छात्र स्वयं करें। 4. छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. कितनी सुन्दर मछली रानी। 2. सतरंगी सपनों-सी मोहक, 3. तिरती रहती, सागर तल पर 4. घर में , मछली रानी। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

मॉडल प्रश्नपत्र – 1 – (क) 1. गीता की छोटी बहन मीनू थी। 2. खरबूजा मीठा था। 3. सुरेश ने शेर की आवाज निकाली। 4. बुआजी साबुन लाती थी। **(ख)** 1. लाल 2. मीठे **(ग)** 1. हिरन 2. भालू 3. पाँव 4. बैंगन **(घ)** 1. त + र + ब + ू + ज 2. ि + स + त + ा + र 3. स + ै + ि + न + क 4. ज + ा + म + ु + न **(ङ)** 1. फूल 2. केला 3. बाजा 4. टोकरी।

मॉडल प्रश्नपत्र – 2 – (क) 1. भेड़िए का दोस्त भालू था। 2. रात को चंदामामा चमकते है। 3. किसान बालक के बार-बार झूठ बोलने पर क्रोधित हुए। 4. फूल पूरे विश्व को अपनी खुशबू से महकाना चाहते है। 5. शादी के लिए संजू और मीनू की सहेलियों ने दीपक जलाए। **(ख)** 1. चाँद, राकेश 2. पुष्प, कुसुम 3. नभ, आकाश 4. वृक्ष, वट **(ग)** 1. असत्य 2. दिन 3. दुःख 4. अन्याय **(घ)** 1. मोरनी 2. पिता 3. शेरनी 4. बहन **(ङ)** 1. काँटे 2. वरदान **(च)** 1. घूमना 2. आशीर्वाद 3. रोजाना 4. तुरन्त।

Class - 2

पाठ-1 प्यारा गीत – मौखिक – (क) 1. प्रातःकाल चिड़िया उड़कर दाना चुगने जाती है। 2. तिनका-तिनका जोड़कर हम अपना घर बनायेंगे। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** सुबह-सुबह चिड़िया चूँ-चूँ-चीं-चीं बोलकर सबको खुश करती है। 2. पंख फैलाकर चिड़िया तिनका चुनने जाती है। 3. चिड़िया हँस-हँसकर सर्दी, गर्मी, वर्षा को सह लेती है। 4. चिड़िया खुशियाँ फैलाती है। **(घ)** 1. सूरज 2. मीठा 3. दाना 4. तिनको से **(ङ)** पर, दाना चुगने, अपना नीड़ बनाती। **भाषा ज्ञान – (क)** 1. घोंसला 2. चिड़िया 3. पर 4. बारिश 5. नभ 6. रवि। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 लालच बुरी बला – मौखिक – (क) 1. इस कहानी को पढ़कर मन में विचार आया कि लालच करने वालो को अंत में पछताना पड़ता है। 2. लालच को बुरी बला इसलिए कहते हैं, क्योंकि इसके कारण व्यक्ति को भला व बुरा पहचानने का होश नही रहता है। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. लड़की के पिता का नाम मोहन था। 2. बूढ़े आदमी ने लड़की को सोने की एक मुहर दी। 3. बूढ़े आदमी के वेश में राजा को देखकर मोहन चौंक गया। 4. बूढ़े आदमी ने मोहन को सबक सीखाने के लिए सौ मुहरें देने का वादा किया। **(घ)** 1. झोपड़ी से 2. सोने की 3. नौ मुहरें 4. राजा 5. निराशा **भाषा ज्ञान – (क)** 1. कानों 2. गीतों 3. आशाएँ 4. टोपियाँ 5. धुनों 6. गाँवों 7. झोपड़ियाँ 8. जंजीरें 9. महलों 10. मुहरें। **(ख)** 1.पास 2. आशा 3. कड़वा 4. नया 5. शहर 6. दुःख **(ग)** 1. भाग्यशाली 2. आंनद 3. निराशा 4. वादा 5. नम्रता 6. अफसोस **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 चतुर पेंसिल – मौखिक – (क) 1. पेंसिल चूहे से बचने के लिए अपना चित्र पूरा करना चाहती थी। 2. बिल्ली बनाने के लिए पेंसिल ने अपने चित्र में मूँछे बनाई। 3. पेंसिल ने बिल्ली का चित्र बनाया। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. चूहा इधर-उधर खाने के लिए खाना ढूँढ रहा था। 2. चूहा पेंसिल लेकर बिल में चला गया। 3. पेंसिल ने दूसरे गोले के पास कुछ छोटे-छोटे चित्र बनाये। 4. चूहा चिल्लाकर बोला, ''अरे यह तो बिल्ली है। भागो, भागो। 5. चूहा डरकर बिल में घुस गया। **(घ)** 1. भूखा 2. पेंसिल 3. आखिरी 4. पूँछ 5. बिल **(ङ)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ **भाषा ज्ञान – (क)** 1. पेंसिले 2. चूहे 3. बिलों 4. पुस्तकें 5. बड़े 6. गोले 7. मूँछे **(ख)** 1. छोटी 2. उधर 3. ताजी 4. पीछे 5. बड़ा 6. ऊपर **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 तुलसी का पौधा – मौखिक – (क) 1. हमारे घर के आँगन में तुलसी, गुड़हल के पौधे है। 2. हम जीवन में पेड़-पौधों का उपयोग उनके फल-फूल व छाया प्राप्त करके करेंगे। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। 2. स्वास्थ्य रक्षा में तुलसी का पौधा उपयोगी है। 3. बहुत से लोग 'तुलसी माता' कहकर तुलसी की पूजा करते है। 4. तुलसी बुखार, कफ, गले में खराश, अस्थमा, किड़नी से जुड़ी बीमारी एवं हृदय रोग में लाभदायक है। 5. तुलसी के पत्तों से काढ़ा बनाया जाता है। 6. तुलसी के

पौधे को घर का वैद्य कहा गया है। **(घ)** 1. स्वस्थ मस्तिष्क का 2. तुलसी 3. पूजनीय 4. तुलसी के **(ङ)** 1. अमूल्य 2. मस्तिष्क 3. जगत् 4. उपयोगी 5. पूजनीय **(च)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ **भाषा ज्ञान – (क)** 1. अस्वस्थ 2. अनुपयोगी 3. नवीन 4. हानि 5. कम **(ख)** 1. तुलसी का पत्तों को पिसकर काढ़ा बनाया जाता है। 2. घर के आँगन में तुलसी का पौधा उगाया जाता है। 3. टी.बी. एक खतरनाक बीमारी है। 4. वृक्षों के आसपास का वातावरण शुद्ध रहता है। 5. तुलसी के पौधे को घर का वैद्य कहा जाता है। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 कृष्ण-सुदामा – मौखिक – (क) 1. हम अपने मित्र से प्यार व सहयोग माँगेगे। 2. श्रीकृष्ण की कृपा से सुदामा का टूटा घर महल बन गया। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. कृष्ण और सुदामा गुरु के आश्रम में रहते थे। 2. श्री कृष्ण द्वारिका के राजा थे। 3. सुदामा की पत्नी ने उन्हें कृष्ण के पास जाने की सलाह दी। 4. सुदामा कृष्ण के लिए चावलों की पोटली उपहार में ले गए। 5. घर लौटने पर सुदामा ने टूटे हुए घर की जगह महल देखा। **(घ)** 1. घर 2. सुदामा की पत्नी ने 3. चावल 4. द्वारिका **(ङ)** 1. मित्र 2. द्वारिका 3. सत्कार 4. सुदामा 5. कृपा **(च)** 2, 1, 5, 4, 3 **भाषा ज्ञान – (क)** 1. लड़के 2. बच्चियाँ 3. पोटलियाँ 4. नदियाँ 5. चूड़ियाँ 6. घोंसले 7. पत्ते 8. बगीचे 9. लड़कियाँ **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 कितना देती धरती मैया – मौखिक – (क) 1. धरती माता से नदी, नाले, पर्वत व पीपल की छाया मिलती है। 2. धरती हम सब को आश्रय देती है, इसलिए इसे माता कहते है। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. धरती माता से फल-फूल मिलते है। 2. धरती मैया धीरज का पाठ पढ़ाती है। 3. घर और घरौंदा देकर धरती हमसे बलैया पाती है। 4. 'धरती मैया' कविता बालकवि बैरागी ने लिखी है। 5. इस कविता से धरती मैया की तरह सब हँसते-हँसते सहने की शिक्षा मिलती है। **(घ)** 1. धरती 2. माता 3. धीरज 4. बाल कवि बैरागी **(ङ)** देती हमको फल और फूल, मस्ती, बस्ती-बस्ता, लेती है मन देती है, हँसते-हँसते सब सहती, धीरज। **(च)** छात्र शिक्षक की सहायता से स्वयं करें। **(छ)** 1. फूले न समाना – बहुत खुश होना। रमेश अपनी नौकरी की खबर सुनकर फुला न समाया। 2. धीरज बाँधना – हौंसला बढ़ाना। रामू की फसल खराब होने पर राधेश्याम ने उसे धीरज बँधाया। **भाषा ज्ञान – (क)** 1. फसलें 2. पर्वतों 3. स्कूलों 4. मौसमों 5. फूलों 6. नदियाँ 7. फलों 8. गाँठे **(ख)** 1. छाँव 2. अधैर्य 3. लेना 4. पाताल 5. नीचे 6. असहनशील **(ग)** 1. रामअवतार ने राजकुमार को धीरज का पाठ पढ़ाया। 2. चिड़िया ने पेड़ पर घरौंदा बनाया। 3. रजत के घर-आँगन में हमेशा बच्चों कि किलकारियाँ गूँजती रहती है। 4. आज मौसम बहुत साफ है। 5. इस वर्ष बाबूलाल की फसल बहुत अच्छी हुई थी। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 जीवन की सीख – मौखिक – (क) 1. हाँ, बुद्ध को अपने कार्य में सफलता मिली। 2. गिलहरी की बात सुनकर बुद्ध को शिक्षा मिली की अपने उद्देश्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। 2. बुद्ध अपना घर-बार छोड़कर तपस्या के लिए निकल गए। 3. गिलहरी बार-बार झील में डुबकी लगाती और बाहर आकर रेत में लोटती। 4. वह झील को खाली करना चाहती थी क्योंकि झील ने उसके बच्चों को खा लिया था। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए। **(घ)** 1. तपस्या 2. गिलहरी 3. झील 4. आश्चर्य 5. सफलता **(ङ)** 1. बुद्ध ने गिलहरी से 2. गिलहरी ने बुद्ध से 3. बुद्ध ने गिलहरी से 4. गिलहरी ने बुद्ध से। **भाषा ज्ञान – (क)** 1. बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धाथ था। 2. उनके पिता का नाम शुद्धोधन था। 3. वह दूसरों के प्रति दयालु थे। 4. उनका माया से मोह भंग हो गया था। 5. अंत में वह महात्मा बुद्ध के नाम से विख्यात हुए। **(ख)** 1. दयालुता 2. सरलता 3. निकटता 4. उत्सुकता 5. सफलता **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 दीपावली – मौखिक – (क) 1. हम दिपावली पूजा करके, पटाखे जलाकर मनाते हैं। 2. दीपावली का पर्व अंधकार मिटाकर खुशियाँ लाने का संदेश देता है। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित (ग)** 1. दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। 2. दीपावली का त्योहार श्री राम के लंका पर विजय प्राप्त करके अयोध्या वापस लौट आने की खुशी में मनाया जाता है। 3. लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए घर की सफाई की जाती है। 4. दीपावली के दिन लक्ष्मी-गणेश जी की पूजा की जाती है। 5. हम सच्चे अर्थों में अपने अंदर की अन्जानरूपी अंधकार को दूर करके दीपावली मना सकते हैं। **(घ)** 1. घर 2. देवता 3. धन 4. लड्डू **(ङ)** 1. दीपावली 2. कार्तिकमास 3. भारत 4. कुप्रथाओं 5. खाते **भाषा ज्ञान – (क)** 1. दीपावली हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। 2. दिपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। 3. दीपावली के दिन शाम को घरों को दीपक जलाकर सजाया जाता है। 4. विजयदशमी के दिन श्रीराम ने लंका पर विजय प्राप्त की थी। 5. दीपावली के दिन शाम को लक्ष्मी-पूजन किया जाता है। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-9 परोपकार – मौखिक – (क) 1. परोपकार से दूसरों को सहायता मिलती है और स्वयं को संतुष्टि मिलती है। 2. यदि साधु उन्हें आश्रय नहीं देता तो वह रात भर बाहर ही भीगते रहते। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित (ग)** 1. झोपड़ी में साधु रहता था। 2. साधु ने दरवाजा खोलकर देखा कि एक आदमी भीगा हुआ खड़ा था। 3. उस व्यक्ति ने साधु से कहा, ''मैं रास्ता भटक गया हूँ। मुझे अपनी झोंपड़ी में रात

काटने दें।'' 4. साधु ने सभी यात्रियों के साथ खड़े रहकर रात बिताई। 5. यदि मैं साधु के स्थान पर होता तो उन्हें कहीं ओर भेज देता। **(घ)** 1. परोपकारी 2. एक 3. बैठकर 4. सच्चा **(ङ)** 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ **भाषा ज्ञान – (क)** 1. साधु 2. आदमी 3. चिन्ता 4. दरवाजा 5. कुटिया **(ख)** 1. परोपकारी 2. दयावान 3. सत्यवादी 4. झूठा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 तिरंगा – मौखिक – (क) 1. तिरंगा भारत का राष्ट्रीय ध्वज है। 2. हमारे ध्वज में तीन रंग है। 3. तिरंगे के मध्य सफेद रंग है। 4. तिरंगा हमारा मान बढ़ाता है। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. देश प्रेम का पाठ तिरंगा पढ़ाता है। 2. तिरंगा भारत का राष्ट्रीय ध्वज है। 3. जन-जन की शान तिरंगा है। 4. आजादी की कहानी तिरंगें में लिखी है। 5. तिरंगा आसमान छू लेगा। **(घ)** 1. तिरंगा 2. केसरिया 3. केसरिया 4. सफेद 5. आह्वान **(ङ)** 1. द 2. स 3. अ 4. ब **(च)** 1. प्यारे 2. लेखक 3. आह्वान 4. शान **भाषा ज्ञान – (क)** 1. आन 2. उसके 3. लिखाता 4. पारी 5. लहराए 6. दान **(ख)** 1. देशप्रेम 2. आह्वान 3. मुक्त **(ग)** 1. माता, जननी 2. संसार, दुनिया 3. कथा, कहानी 4. श्वास, जान 5. अंबर, आसमान **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 लाला लाजपत राय – मौखिक – (क) 1. लाला लाजपत राय के पिता स्कूल के मास्टर थे। 2. लाला लाजपत राय ने देश को आजाद कराकर देश सेवा की। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. लाला लाजपत राय के पिता का नाम श्री राधाकृष्ण जी अग्रवाल था। 2. लालाजी के जीवन पर उनके पिताजी का प्रभाव पड़ा। 3. लाला जी के माता-पिता बीमार पड़ गए थे। 4. आशीर्वाद देते हुए पिताजी ने कहा, ''तू सेवा में बड़ा होशियार है। हमें आशा है कि तू अपने देश की बहुत बड़ी सेवा करेगा।'' 5. लालाजी ने अपने माता-पिता की अनूठी सेवा की। **(घ)** 1. फिरोजपुर 2. परिश्रम 3. सच्ची-सेवा 4. कद्र 5. देशभक्त **(ङ)** 1. लाला जी माता-पिता की आज्ञा का पालन हमेशा करते थे। 2. लाला जी के पिता ने उन्हें आशीर्वाद दिया। 3. लाला जी ने अपने माता-पिता की अनूठी सेवा की। 4. लाला जी अपने विद्यार्थी जीवन में ही छोटे-छोटे लेख लिखने लगे थे। 5. उनके पिता उर्दू के बहुत अच्छे लेखक थे। **(च)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ **भाषा ज्ञान – (क)** 1. मृत्यु 2. बड़े 3. अवज्ञा 4. बेकद्र 5. बुरे **(ख)** 1. मार 2. लावा 3. खाई 4. कर 5. पड़े **(ग)** 1. दादी 2. नानी 3. मामी 4. छात्रा 5. शिक्षिका। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 मौसम – मौखिक – (क) 1. हम गरमी के मौसम में सर्वाधिक खुश रहते है, क्योंकि इसमें छुट्टियाँ होती है। 2. बदलते मौसम के अनुसार हमें अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. गरमी के दिन बच्चों को अच्छे लगते है क्योंकि इसमें छुट्टियाँ होती है। 2. मई, जून में बहुत तेज गरमी पड़ती है। 3. राखी का त्योहार सावन के महीने में आता है। 4. फरवरी तक सरदी कम हो जाती है। 5. सरदी के समाप्त होने पर हम होली के त्योहार की राह देखते है। **(घ)** 1. दिसम्बर-जनवरी 2. कोयल 3. राखी 4. आम 5. रजाई **(ङ)** 1. पसीना 2. रजाई 3. बाढ़ 4. सावन 5. दिसम्बर **भाषा ज्ञान – (क)** 1. मेघ 2. वर्षा 3. सूर्य 4. देह 5. अंत **(ख)** 1. सरदी समाप्त होने पर होली का त्योहार आता है। 2. गरमी के मौसम में धूप में तेजी होती है। 3. गरमी के बाद बसन्त ऋतु आती है। 4. कोयल की आवाज मधुर होती है। 5. गरमी के दिनों में स्कुलों की छुट्टियाँ आती है। **(ग)** 1. बादल – गड़-गड़ 2. हवा – सर-सर 3. मोर – छनन-छनन-छन 4. बारिश – रिमझिम **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 गीदड़ की चतुराई – मौखिक – (क) 1. हमारे आस-पास हाथी जैसा व्यक्ति हो तो हम उसे व्यायाम व योगा के द्वारा सुधारेंगे। 2. हाथी राजा बनने के लालच में अंधा हो गया था। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. हाथी घने जंगल में रहता था। 2. सभी गीदड़ हाथी से परेशान थे क्योंकि उनके बच्चे हाथी के पाँवों तले कुचले जाते थे। 3. ''हम आपके साथ है सरदार'' सभी गीदड़ों ने सरदार से कहा। 4. बूढ़े गीदड़ ने कहा, ''महाराज, मैं आपका दास गीदड़ हूँ। सब जानवरों ने मिलकर मुझे आपके पास भेजा है।'' 5. लालच का यह परिणाम हुआ कि हाथी कीचड़ के गड्ढे में फँस गया। **(घ)** 1. जिद्दी 2. सरदार ने 3. राजा बनने का 4. कीचड़ में **(ङ)** 1. अक्खड़ 2. सरदार 3. सहमति 4. लालच 5. दुष्ट **(च)** 3, 2, 4, 1 **भाषा ज्ञान – (क)** 1. दुष्ट – हाथी 2. चालाक – गीदड़ 3. बेकार – कोशिश 4. घना – जंगल 5. शक्तिशाली – हाथी 6. बहादुर – बच्चें। **(ख)** 1. वन 2. मंजूरी 3. बैठक 4. प्रसन्नता 5. हालत **(ग)** 1. मृत्यु 2. दुःख 3. असहमति 4. रंक 5. पुण्य **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14 रंग-बिरंगा इन्द्रधनुष – मौखिक – (क) 1. इंद्रधनुष में सात रंग होते है और वे बारिश के बाद दिखाई देते है। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. इन्द्रधनुष बारिश के बाद दिखाई देता है। 2. इन्द्रधनुष में सात रंग होते हैं – लाल, हरा, पीला, बैंगनी, नारंगी, आसमानी, गुलाबी। 3. दुनिया के मन को इन्द्रधनुष भाता है। 4. इन्द्रधनुष की रंगोली से मंगनी हुई। 5. इस कविता के रचियता सूर्यभानु गुप्त है। **(घ)** 1. इन्द्रधनुष 2. आसमान 3. मँगनी 4. रंग **भाषा ज्ञान – (क)** 1. पाताल 2. पाना 3. नीचे 4. बुरा 5. ज्यादा 6. उतरना। **(ख)** 1. इन्द्रधनुष में सात रंग होते है। 2. होली रंगों का त्योहार है। 3. इन्द्रधनुष की मंगनी रंगोली से हुई। 4. इन्द्रधनुष की मंगनी रंगोली से हुई। 5. होली के दिन पानी की टंकी में रंग डाल दिया जाता है। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 किसी को बताना मत – मौखिक – (क) 1. ऐरावत को ईख अच्छे लगे। 2. यदि मैं किसान के स्थान पर होता तो ऐरावत को दंड देता। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. देवताओं के राजा का नाम इन्द्र था। 2. राजा इन्द्र के हाथी का नाम ऐरावत था। 3. ऐरावत देखने में बहुत सुन्दर था। 4. ऐरावत धरती पर दुनिया की सैर करने आया। 5. ऐरावत सबको उनकी मूर्खता के कारण लेकर नही गया। **(घ)** 1. इन्द्र 2. ऐरावत 3. किसी को बताना मत 4. सफेद 5. कोई नहीं **(ङ)** 1. ऐरावत 2. ईख 3. सफेद 4. बताना 5. आसमान **(च)** 3, 5, 2, 4, **1 भाषा ज्ञान – (क)** 1. पत्नी 2. बहन 3. रानी 4. सखी 5. बंदरिया 6. शेरनी 7. हथिनी 8. पिता **(ख)** 1. सुदंर 2. अंत 3. इंद्र 4. चिंता 5. परंतु 6. बंदर 7. चंद्रमा। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 हमारे पेड़ – मौखिक – (क) 1. पेड़ों से हमें दवाईयाँ, फल, छाया, ऑक्सीजन मिलती है। 2. गर्मी के दिनों में हमें आम, नारियल पानी अच्छे लगते है। **लिखित – (ग)** 1. कच्चा आम आचार बनाने, पना बनाने के काम आते हैं। 2. तीनों मित्र पसीने से परेशान होकर छाया ढूँढ़ रहे थे। 3. नीम के फल को निंबौली कहते है। 4. नीम का पेड़ दवाई के रूप में काम आता है। 5. नारियल की जटाओं से रस्सी, चटाई बनाई जाती है। खाने के काम आता है। तेल बनाने के उपयोग में आता है। **(घ)** 1. अचार 2. निबौली 3. नारियल 4. खोपरा **(ङ)** 1. पना 2. निबौली 3. लम्बा 4. खोपरा 5. स्वादिष्ट **भाषा ज्ञान – (क)** 1. बनाया जाता है। 2. साफ करता हूँ। 3. बताया 4. नजर आया। 5. देखभाल करता है। **(ख)** 1. प्रतिदिन दाँत साफ करना चाहिए। 2. माँ ने स्वादिष्ट भोजन बनाया। 3. दूध एक पौष्टिक आहार है। 4. यमुना के तट पर दिल्ली नगर बसा हुआ है। 5. प्रातःकाल सैर करना स्वास्थय के लिए लाभदायक है। **(ग)** 1. पक्का 2. दूर 3. बुरा 4. धूप 5. कड़वा 6. मुलायम 7. अनुप्रयोग **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 नया जीवन – मौखिक – (क) 1. जिम्मी का काम कपड़े धोने का था। 2. हाँ, मैं भी जिम्मी की तरह दूसरों की सहायता करूंगा। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. जिम्मी केरल की रहने वाली थी। 2. दादी खदान पर कपड़े धोने जाती थी। 3. बच्चों की माँ चिल्लाई क्योंकि उसके बच्चे पानी में डूब रहे थे। 4. दोनों बच्चों को नया जीवन जिम्मी ने दिया। 5. 26 जनवरी, 2011 को जिम्मी को वीरता पुरस्कार मिला। **(घ)** 1. केरल 2. खदान पर 3. जिम्मी ने **(ङ)** 1. दादी ने जिम्मी से 2. जिम्मी ने दादी से 3. दादी ने जिम्मी से 4. माँ ने लोगो से 5. दादी ने जिम्मी से **(च)** 1. साहसी 2. छलाँग 3. सूरज 4. किनारे पर 5. नया जीवन **भाषा ज्ञान – (क)** 1. दादी ने खाली स्थान देखकर इशारा किया। 2. जा इसे सूखने डाल आ। 3. अपना मुँह पानी से निकालकर साँस ली। 4. दादी ने जिम्मी को बाँहों में ले लिया। 5. मेरी जिम्मी बहुत साहसी है। **(ख)** 1. मुँह 2. डुबकियाँ 3. माँ 4. वहाँ 5. पहुँच **रचनात्मक गतिविधिया –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-18 बढ़े चलो – मौखिक – (क) 1. जीवन की कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ आगे बढ़ेंगे। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **लिखित – (ग)** 1. कवि वीर से आगे बढ़ने के लिए कह रहा है। 2. विपत्तियों में न डरने को कह रहा है। 3. रास्ते में पहाड़, बादल गरजते, बिजलियाँ चमकती है। 4. कवि वीर को आगे बढ़ने की सीख दे रहा है। 5. वीर कभी किसी भी परिस्थितियों में घबराता नहीं है। **(घ)** 1. वीरों को 2. बाधाओं का 3. धीर 4. आगे बढ़ने का **(ङ)** 1. वीर तुम बढ़े चलो 2. धीर तुम बढ़े चलो। 3. बादल रहें गरजते, 4. मेघ रहें बरसते, 5. बदलियाँ कड़क उठें। **भाषा ज्ञान – (क)** 1. बहादुर 2. पर्वत 3. शेर 4. मेघ 5. दामिनी **(ख)** 1. बिजलियाँ 2. बादलों 3. बदलियाँ 4. पहाड़ों **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

धोखे का फल – केवल पढ़ने के लिए

मॉडल टैस्ट पेपर – 1 (क) 1. चिड़िया 2. पेंसिल 3. कृष्ण **(ख)** 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं **(ग)** 1. पेंसिल 2. कृष्ण 3. खुशी **(घ)** 1. कृष्ण – सुदामा 2. चूहा – पेंसलि 3. घोंसला – चिड़िया **(ङ)** 1. चिड़िया के घर को घोंसला कहते हैं। 2. कृष्ण की कृपा से सुदामा के टूटे हुए घर की जगह महल हो गया। 3. मोहन ने अपनी बेटी के गाने के बदले दस मुहरें माँगी।

मॉडल टैस्ट पेपर – 2 (क) 1. सहारा 2. योग्य 3. इज्जत 4. शरीर **(ख)** 1. तिरंगा झंडा – भारत 2. दीपों का त्योहार – दीपावली 3. आम – गरमियों में **(ग)** 1. राखी 2. मास्टर 3. लड्डू **(घ)** 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ **(ङ)** 1. फरवरी के अंत में बसंत ऋतु आ जाती है। 2. खड़े होकर साधु ने सभी यात्रियों के साथ रात बिताई। 3. दीपावली का त्यौहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। 4. बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।

मॉडल टैस्ट पेपर – 3 **(क)** 1. कीचड़ में 2. इन्द्र 3. नारियल **(ख)** 1. साहसी 2. पना 3. ऐरावत 4. लालच **(ग)** 1. आमिर ने कहा 2. रॉबिन ने कहा 3. बालक ने कहा **(घ)** 1. राजाओं 2. वीरों 3. सुखों 4. आसमानों **(ङ)** 1. जिम्मी केरल की रहने वाली थी। 2. ऐरावत धरती पर घूमने आया। 3. इन्द्रधनुष में सात रंग होते हैं – लाल, पीला, हरा, आसमानी, बैंगनी, नारंगी, गुलाबी।

पाठ-1 जागो उठो (कविता) (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. सूरज आसमान में चमकता है। 2. धरती पर किरणों का डेरा है। 3. सुबह होने पर अँधेरा मिट जाता है। 4. आलस त्यागने के लिए कहा गया है। 5. धरती का कोना-कोना जाग उठा है। **(ग)** 1. आलस्य सफलता में बहुत बड़ी बाधा है। आलसी मनुष्य कभी सफल नहीं होते हैं। वे समय पर कार्य नहीं कर पाते हैं। 2. (1) हम तरो-ताजा महसूस करते हैं। (2) सभी कार्य समय पर होने के कारण मन में खुशी होती है। (3) आस-पास का वातावरण भी सुखद होता है। 3. आलस त्यागने के लिए कहा जा रहा है। 4. सूरज चमकने से प्रत्येक कोने से अँधेरा मिट जाता है। प्रत्येक पशु-पक्षी जाग जाता है। 5. सूरज निकलने के बाद सोना ठीक नहीं है। **(घ)** 1. आलस त्यागो, हुआ सवेरा अब 2. चमका, है कण-कण महका 3. का मिटा अँधेरा, धरती पर किरणों का **(ङ)** 1. सब जगह से 2. सब 3. आसमान में **भाषा-ज्ञान – (ख)** आँख, गाँव, मुँह, तितलियाँ, चाँद, पाँव, हँसी, बँदरिया **रचनात्मक गतिविधियाँ –** सूरज, काम, किसान, कुएँ, गेंद, बस्ता, पाठशाला।

पाठ-2 वीर-एंड्रोक्लीज (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. किसी के अधीन रहना 2. अंग्रेजों ने 3. सन् 1947 (15 अगस्त) **(ग)** 1. रोम में प्राचीन काल में गुलामी का प्रचलन था। 2. गुलामों को पशुओं की तरह बाजार में बेचा जाता था और बहुत ही बुरा व्यवहार किया जाता था। 3. उसका मालिक बहुत बुरा एवं कठोर व्यक्ति था उससे खूब काम करवाता था और पेट भर खाना भी नहीं देता था। 4. घने जंगल में जा पहुँचा। 5. शेर के पैर में काँटा चुभा था और एंड्रोक्लीज ने उसे निकाल दिया। 6. क्योंकि उसके मालिक ने भाग जाने की खबर सरकार को दे दी थीं 7. मौत की सजा सुनाए गए व्यक्ति को भूखे शेर के आगे छोड़ दिया जाता था। 8. क्योंकि यह वहीं शेर था जिसका घाव एंड्रोक्लीज ने ठीक किया था। **(घ)** 1. गुलामों को 2. कैद, सोचा 3. भटक, जंगल 4. दहाड़ 5. काँटा, घाव **(ङ)** 1. गुलाम 2. रोम 3. घने जंगल में **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. आजादी 3. शोर 4. दिन **(ख)** 2. शेरनी 3. बेगम 4. मालकिन **(ग)** 1. बादशाह 2. आजाद 3. शत्रु **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 लालच बुरी बला है (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. सोनपुर गाँव में 2. राघव, धवल और अनिल 3. जमींदार के यहाँ 4. सही देखभाल न होने के कारण भेड़े मर गईं। 5. तीनों भाई सन्यासी को ढूँढ़ने में लग गए। 6. गेहूँ की फसल, फूलों के बगीचे एवं भेड़ें बन गईं। **(ग)** 1. तीनों भाईयों ने बड़े ही आदर सत्कार से उन्हें पधराने के लिए आमंत्रित किया एवं खूब सेवा की। 2. सन्यासी ने कहा कि मैं तुम्हें ऐसा काम बताऊँगा जिससे तुम्हारे जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ चमकेंगी। 3. राघव की ढेर सारा अन्न उपजाने की इच्छा थी। सन्यासी ने फूल बिखेरकर ऊपजाऊ खेत बनाया एवं मोती बिखेर कर राघव के लिए गेहूँ की फसल उगा दी। 4. धवल ने भी पशु-पालन करने की इच्छा जताई। 5. सन्यासी ने अनिल के लिए मोती बिखेर कर फूलों का बगीचा बनाया। नहीं, वे संतुष्ट नहीं थे। तीनों भाईयों के मन में और अधिक लालच आ गया। 6. तीनों सन्यासी को ढूँढ़ने में लग गए और सारा काम-काज त्याग दिया। इसका फल भी उन्हें बुरा मिला सब कुछ नष्ट हो गया। **(घ)** 1. उपजाऊ भूमि 2. भेड़ 3. मोती बिखेरकर 4. फूलों का बगीचा 5. नष्ट हो गए। **(ङ)** 1. लालची 2. मोती **भाषा-ज्ञान – (क)** राम, जयपुर, रोम, धवल। **(ख)** 1. सन्यासी 2. आशीर्वाद 3. अन्याय **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 शिष्टाचार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. जी हाँ या जी नहीं कहकर एवं विनम्रता से 2. धन्यवाद देना चाहिए। 3. जूते उतारकर धार्मिक अनुशासन का पालन करना चाहिए। 4. शोर नहीं करना चाहिए। 5. उसे बैठने के लिए सीट देनी चाहिए। 6. अशिष्टता कहलाती है। **(ग)** 1. बहुत ही मृदुल एवं शांत स्वभाव का शिष्ट बालक है। 2. क्योंकि वह बहुत अशिष्टता पूर्ण व्यवहार करता है। 3. (1) विनम्रता (2) दूसरों की निजी बातों में दखल न देना (3) अनुशासन का पालन करना। पहले नियम के अनुसार हमें प्रत्येक कार्य करते समय एवं बातचीत करते समय विनम्रतापूर्वक व्यवहार करना चाहिए। 4. प्रसन्नता से यथोचित सत्कार करना चाहिए। उन्हें बैठने के लिए स्थान देना चाहिए। उनकी रुचि का भोजन बनवाना चाहिए। 5. खाना बेचैनी से नहीं खाना चाहिए, मुँह से आवाज नहीं करनी चाहिए। 6. यदि कोई व्यक्ति हमारे विनीत स्वभाव का कारण चापलूसी करना या कोई दया की भीख माँगना समझता हो उसकी कृपा का पात्र नहीं बनना चाहिए। **(घ)** 1. विद्यार्थी 2. प्रशंसा 3. शिष्टाचार 4. विनम्रता से 5. स्नेहपूर्ण **(ङ)** 1. आवाज करना 2. स्वाभिमान की **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. पर 2. में 3. की 4. के 5. से **(ख)** 1. अन्न, भिन्न 2. सद्भाव, प्रभाव 3. अपमान, अभिमान **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 प्यारा खेल क्रिकेट (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित – 1.** क्षेत्ररक्षक 2. सीमा रेखा से बाहर गेंद के पहुँचने पर 3. चार रन मिलते हैं। 4. दो बल्लेबाज **(ग)** 1. बल्ले से लगकर गेंद उछल जाए और कोई क्षेत्ररक्षक उसे पकड़ ले तो उसे कैच आउट कहते हैं और यदि बल्लेबाज का पैर स्टंप के सामने हो तथा गेंद उसके पैर पर घुटने से नीचे लगे तो वह आउट हो जाता है और इसे लेग बिफोर विकेट कहते हैं। 2. तीन बड़े डंडे जिनको ऊपर से दो गिल्लियों से जोड़ा जाता है उसे स्टंप कहते हैं। **(घ)** 1. विकेट कीपर, पीछे 2. बल्लेबाज, मैदान 3. बल्लेबाजी, गेंदबाजी 4. स्टंप, आउट 5. फेंकने वाले, गेंदबाज **(ङ)** 1. छक्का 2. 11 3. विकेटकीपर 4. क्षेत्ररक्षण **भाषा-ज्ञान – (क)**

गुरुनानक, बिहू, ओणम, गौतम, बुद्ध, वैसाखी **(ख)** 2. बकरियाँ 3. खुशियाँ 4. बुराइयाँ 6. प्रतीकों 7. घरों 8. दिनों **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 दो भाई (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. भुवन और शंकर 2. उन्हें बहुत बेवकूफ बनाया था। 3. दिन में कंबल उसके हिस्से में एवं भैंस का अगला हिस्सा देकर। 4. क्योंकि वह पंचों द्वारा किए गए हिस्से से खुश नहीं था। भैंस का अगला हिस्सा उसका था। 5. भैंस की पिटाई करना चालू कर दिया। 6. सर्दी में **(ग)** 1. घर की चीजों को लेकर 2. भुवन और शंकर के झगड़ों से परेशान होकर, उन्होंने कंबल को दिन में भुवन को तथा रात में शंकर को दिया। भैंस का अगला हिस्सा भुवन का, पिछला हिस्सा शंकर का। 3. भुवन को रात में ओढ़ने के लिए कम्बल नहीं मिलता था तथा चारा खिलाने के बाद भी दूध नहीं मिलता था। अत: भुवन को अधिक नुकसान हुआ बाद में भुवन ने भैंस को पीटना और कंबल को नहीं सुखाकर शंकर को भी नुकसान पहुँचाना शुरू कर दिया। 4. क्योंकि भैंस का पिछला हिस्सा शंकर का था। 5. अन्त में दोनों साथ-साथ मिलकर भैंस को चारा देने लगे और दूध दुहने लगे। **(घ)** 1. दो 2. घर के सामान के लिए 3. सामान का बँटवारा किया। 4. अगला भाग भुवन को तथा पिछला भाग शंकर को 5. पानी में भिगो दिया। **(ङ)** 1. दोनों को 2. शंकर को **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. माफी 2. आसमान 3. परेशानी 4. मूर्ख **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. पेड़ 2. डाक 3. घड़ा 4. डर 5. ढक्कन 6. ढीला **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 बुद्धि बल श्रेष्ठ होता है – छात्र स्वयं करें। **(क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित –** 1. शेर से परेशान होने के कारण कोई हल निकालने के लिए 2. खूंखार था एवं बेवजह जानवरों का शिकार करता था। 3. सभा में किया गया निश्चय सुनाने 4. क्योंकि वह बेमन से धीरे-धीरे जा रहा था। 5. रास्ते में एक और जंगल का राजा मिलने का झूठा बहाना बनाया। **(ग)** 1. जानवरों का शिकार करने के लिए, सभी जानवर परेशान थे। 2. प्रतिदिन एक-एक जानवर स्वयं ही शेर के पास भेजने का निश्चय किया। 3. लोमड़ी गई उसने शेर से प्रार्थना की कि आप सिंहासन पर विराजमान रहें और जानवर बारी-बारी भोजन के समय खुद ही आप के पास आएंगे। 4. उसने जंगल में दूसरा शेर होने का झूठा बहाना बनाया। 5. कुएँ पर, उसकी अपनी (शेर) परछाई दिखाकर कहा की दूसरा शेर पानी में रहता है और शेर कुएँ में कूद गया। 6. सभी जानवरों को खूंखार शेर से छुटकारा मिल गया। **(घ)** 1. शेर से 2. सभा 3. लोमड़ी 4. खरगोश 5. शेर की परछाई **(ङ)** 1. हाथी ने 2. शेर से 3. बुद्धि **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. जंगली 2. शेर 3. परछाई **(ख)** 1. बुद्धिमानी 2. निश्चिन्त 3. अंगडाइयाँ **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 देश वन्दना (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. श्री रवींद्रनाथ टैगोर 2. देश की मिट्टी, जल, हवा एवं फलों को 3. आम को 4. भारत 5. कवि अपने देश को सरल, सरस एवं विमल बनाना चाहता है। **(ग)** 1. अपने देश भारत की 2. भारत देश के प्रत्येक घर, नदियों के किनारे, जंगल एवं माप-तोल को सरल बनाने की बात कही है। 3. घाट का अर्थ है नदी का किनारा एवं बाट शब्द का अर्थ है माप-तोल (या मूल्यांकन) करना। 4. कवि प्रत्येक मनुष्य के तन-मन, घर तथा रिश्तों को विमल बनाने की प्रार्थना कर रहे हैं। 5. कवि ने इस कविता के माध्यम से प्रकृति एवं देश-प्रेम की भावना को दर्शाया है। **(घ)** 1. सरस 2. वन 3. विमल 4. नदी का किनारा 5. शरीर **(ङ)** 1. किनारा 2. ईश्वर से **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. गुब्बारा 2. सुराही 3. मुकुट **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-9 मेहनत का फल (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. दीनानाथ नाम का किसान सोनपुर गाँव में रहता था। 2. वे आलसी, काम चोर एवं झगडालू थे। 3. बेटों की हालत का जिम्मेदार खुद को ठहराने की चिन्ता से 4. खेत में खजाना छिपा होने की बात कही। 5. छुपा हुआ खजाना पाने के लिए। **(ग)** 1. किसान के तीन बेटे थे। वे तीनों सारा दिन पड़े-पड़े खाते और सोते थे। 2. किसान ने अपने बेटों को बुलाकर खेत में खजाना छुपा होने की बात कही। 3. किसान के बेटे खजाना प्राप्त करने के लिए खेत की खुदाई करने लगे। 4. किसान अपने बेटों से साथ-मिलकर मेहनत (परिश्रम) करवाना चाहता था। हाँ, उसकी मनोकामना अंत में मृत्यु के बाद पूरी हुई। 5. मेहनत का फल मीठा होता है अत: मनुष्य को आलस त्यागकर लगनपूर्वक श्रम करना चाहिए। **(घ)** 1. तीन 2. आलसी 3. खेतों में खजाना गढ़ा है। 4. खजाना पाने के लिए खेत को खोदने लगे। 5. मेहनत का फल मीठा होता है। **(ङ)** 1. सोनपुर 2. किसान 3. सरपंच ने **भाषा-ज्ञान – (क) व (ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 2. तैसे 3. खजाना 4. रात **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 हमारे मित्र - वृक्ष (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. आम-रस, अचार, खाने के तथा अमचूर बनाने के 2. नारियल पानी पीने खाने जटाओं से रस्सी एवं चटाई बनाने के काम आता है। 3. नारियल के तेल को **(ग)** 1. गुठली वाले फल – आम, पपीता, जामुन, अमरूद, आलू बुखारा – उपयोग – स्वास्थ्य के लिए लाभदायक और खाने के काम आते हैं। बिना गुठली वाले फल – अँगूर, केला, शहतूत, कीवी, अन्नानास। रस पीने, खाने के लिए, शरबत व जैम बनाने के लिए। 2. नीम के पेड़ के उपयोग – (1) यह हमें छाया देता है। (2) ऑक्सीजन व ताजा हवा मिलती है। (3) इसकी छाल फोड़े-फुंसियों पर लगाने के काम आती है। (4) नीम का तेल भी बनाया जाता है। (5) पत्तों को सुखाकर कपड़ों में अनाज में रखने से कीड़ें नहीं लगते हैं। 3. हमें पेड़ों को समय-समय पर पानी डालकर हरा-भरा रखना चाहिए। जानवरों से बचाने के लिए पेड़ों के चारों तरफ लोहे या ईंटों से सुरक्षा-सीमा बनानी चाहिए। **(घ)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ **(ङ)** 1. निबौरी 2. ऑक्सीजन 3. अचार 4. कीड़े से बचाने के लिए 5. पेड़ **भाषा-ज्ञान – (क)** छोटा भाई, मीठा आम, एक पेड़, गरम कपड़े, लंबा दिन **(ख)** 1. अनेक 2. चटाइयाँ 3. जटाएँ 4. रस्सियाँ 5. कपड़े 6. पेड़ों 7. आमों 8. अनेकों **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 सत्य का सामना (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. मैला-कुचैला आदमी (भिखारी) 2. राजा को झुककर प्रणाम करने को 3. राजा को बहुत क्रोध आया। 4. फाँसी की सजा सुनाने के लिए 5. भिखारी ने उसे सच्चाई से अवगत कराया इसलिए **(ग)** 1. राजा घमंडी थे, उनकी प्रशंसा नहीं करने वालों को कठोर दंड दिया जाता था। 2. राजा राजधानी में अपनी स्थिति तथा पहचान का पता करने गये कि कौन उनकी प्रशंसा करता है और कौन नहीं। 3. भिखारी ने राजा के गहने और कपड़ों को प्रणाम किया ऐसा इसलिए किया क्योंकि राजा घमंडी था। 4. राजा ने भिखारी को फाँसी की सजा सुनाई क्योंकि उसने राजा को सच्चाई से अवगत कराया। 5. भिखारी ने गजा के बहुमूल्य गहने व कपड़े उतारकर लोगों द्वारा सम्मान नहीं दिए जाने का प्रमाण दिया, और राजा का सच्चाई जानकर घमंड चूर-चूर हो गया। 6. अन्त में राजा ने भिखारी से क्षमा माँगकर गले लगा लिया। **(घ)** 1. घमंडी 2. मेले में 3. भिखारी 4. भिखारी के प्रणाम न करने पर 5. फाँसी 6. भिखारी की बात सच है। **(ङ)** 1. राजा 2. घमंडी 3. फाँसी 4. पछतावा 5. दोनों की **भाषा-ज्ञान – (क)** अजीब, आम, इमली, उड़ना, एकता, औजार, कुचैला, भिखारी, राजा, वेशभूषा, सम्मान, प्रशंसा **(ख) पुल्लिग –** राजा, पिता, फूल, भिखारी। **स्त्रीलिंग –** रानी, माँ, इज्जत, सब्जी **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 एकता की शक्ति (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. चिड़ियाँ पकड़ने 2. कबूतरों को पकड़ने की सोचकर खुश हुआ। 3. जाल फेंका 4. कौआ, कबूतरों को जाल में फँसते देख रहा था। 5. सब मिलकर जोर लगाने के लिए **(ग)** 1. क्योंकि बहेलिया की जीविका का साधन पक्षी को पकड़कर बेचना था और वह धनवान बनना चाहता था। 2. कौए ने कबूतरों को एक साथ जोर लगाकर जाल को उड़ाने की सलाह दी। 3. हाँ, कौए की सलाह से कबूतरों की जान बची क्योंकि सभी, कबूतरों ने मिलकर, जाल को उड़ाकर, दूर ले जाकर चूहों से कटवाया। 4. कबूतरों को जाल में चूहों ने दाँतों से काटकर बाहर निकाला। 5. एकता में शक्ति है। **(घ)** 1. बेचता था। 2. दाना चुगा रहे थे। 3. इनको पकड़कर बहुत पैसे कमाएगा। 4. एक साथ उड़ जाने के लिए कहा। 5. चूहों ने **(ङ)** 1. कबूतर 2. जाल 3. कौए ने 4. एकता में 5. चूहे ने **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. वह 2. उन्हें 3. वह **(ख)** 1. चूहे 2. कबूतरों 3. कठिनाइयाँ **रचनात्मक गतिविधियाँ** – छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 साहसी लड़की (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. चोर सिपाही 2. गन्ने के खेत में 3. हरीश के हाथ-पैर रस्सी से बँधे थे, व मुँह पर भी कपड़ा बँधा था। 4. सिर में जोर से चोट लगी। 5. सरिता की सूझबूझ से बनवारी पकड़ा गया। **(ग)** 1. सरिता बहादुर, चुस्त और मेधावी लड़की थी, उसको पढ़ने का बहुत शौक था। 2. बनवारी को पकड़े जाने पर गाँव के मुखिया के होने वाली डकैती के बारे में जानकारी मिली। 4. पुलिस को पहले से चौकन्ना रहने के कारण डाकुओं को पकड़ने में सफलता मिली। 5. सरिता की हिम्मत तथा साहस की प्रशंसा की तथा समाचार-पत्रों में उसके बड़े-बड़े चित्र भी छपे थे। **(घ)** 1. पढ़ने का 2. चुस्त 3. गन्नों के खेत में 4. काट लिया 5. बनवारी पर **(ङ)** 1. चोर-सिपाही 2. गन्ना 3. प्रशंसा की **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सीमा, विमल और हरीश खेल रहे थे। 2. सरिता को किसका शौक था? 3. वह वह जयपुर गया था, वहाँ से वह आम और केले लाया। 4. हरीश को किसने बंदी बनाया? 5. हरीश और विमल गन्ने के खेत में क्यों, कैसे तथा कब गए? **(ख)** 1. दुष्ट 2. मुखिया 3. शौक 4. हिम्मत **(ग)** 1. सम्मान 2. चौकन्ना 3. कष्ट 4. दुत्कार **रचनात्मक गविविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14 जैसे को तैसा (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. लोहे का तराजू 2. भाग्य आजमाने 3. उसने शहर में बहुत धन कमाया। 4. मिलने के लिए 5. चूहों द्वारा तराजू को खाने की बात कही। **(ग)** 1. सबका कर्ज चुकाने के लिए मंगतराम ने अपना सारा सामान बेच दिया। 2. मंगतराम ने लोहे का एक तराजू अपने मित्र के पास रखवाया। 3. मंगतराम के कपड़ों का ध्यान रखने के लिए नदी तक भेजा। 4. बिहारीलाल का बेटा न्यायाधीश के फैसले से वापस मिला। 5. जैसा करेंगें वैसा ही भरेंगें। अत: सबके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। **(घ)** 1. मंगतराम 2. दूसरे शहर 3. लोहे का तराजू 4. चूहे खा गए। 5. साधु की गुफा में 6. बाज उठा ले गया। **(ङ)** 1. भाग्य आजमाने 2. गुफा में 3. न्यायाधीश **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. चोर 2. न्यायाधीश 3. तराजू **(ख)** 1. सृष्टि 2. दृष्टि 3. गृहकार्य **(ग)** 1. चीजें 2. कपड़े 3. पैसे **रचनात्मक गविविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 माली के घड़े (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. दो घड़े भरकर पानी लाता था। 2. दो 3. एक घड़ा बिल्कुल सही तथा दूसरे में एक छेद था। 4. आधे घड़े का पानी पौधों को सींचने के काम तथा दूसरा पीने व अन्य कार्यों के लिए ढककर रख देता था। 5. क्योंकि पानी की गिरती हुई बूँदों को देखकर **(ग)** 1. आधा भरा घड़ा पानी गिरता देखकर दुखी होता और सोचता कि माली बेकार ही मुझे भरने के लिए ले जाता है। 2. "माली काका! आप रोज़ कुएँ से मुझे भरकर लाते हो, पर घर तक आते-आते मैं आधा रह जाता हूँ। आपका पूरा घड़ा उठाने की मेहनत ही बेकार हो जाती है। आप नया घड़ा क्यों नहीं ले आते!" 3. माली ने छेद वाले घड़े से रास्ते में पगडंडी के किनारे को उसके गिरते पानी से हरे-भरे व सुंदर होने की बात समझाई। 4. क्योंकि छेद वाले घड़े के कारण पगडंडी के किनारे को हरा-भरा देखकर लोग उसकी तारीफ करते थे। 5. दूसरों की सेवा करने से ही सच्चा सुख मिलता है। **(घ)** 1. दो घड़े 2. नहीं 3. छेददार 4. सिंचाई करता 5. फूल-पौधे **(ङ)** 1. माली ने 2. सच्चा सुख 3. प्रशंसा **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. घड़ों 2. घड़ें **(ख)** 1. मालिन 2. पत्नी 3. धोबिन **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 परोपकार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. ताजे-रसीले आम खाकर 2. पौधे खरीदकर उगाने का 3. आम का पेड़ कह रहा था 4. राजू, साइमन, रहीम और रामू; वे सब मेला देखने जा रहे थे। **(ग)** 1. छाया व फल देकर पेड़ हमारी धूप में

सहायता करते हैं। 2. किसान के बेटे ने एक बार खाना खाते समय आम की दो गुठलियाँ वहाँ रोंपी। जिससे वहाँ आम का पौधा उग गया और बड़ा होकर फलदार वृक्ष बना। 3. सभी बच्चों नें मिलकर सड़क के किनारे पौधे लगाए। **(घ)** 1. वाहन 2. लटकाए 3. आम 4. लम्बी 5. कोंपल **(ङ)** 1. गरमी 2. आम 3. पेड़ पर 4. किसान के बेटे ने **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भूतकाल 4. भविष्य काल **(ख)** 1. वायु, पवन 2. कृषक, हलधर 3. बारिश, बरसात 4. वृक्ष, तरु **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 ईनाम का हिस्सेदार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. जो कोई तुरंत पकड़ी हुई मछली लायेगा, भरपूर इनाम पायेगा। 2. बेईमानी की सजा दिलाने के लिए 3. पचास कोड़े पीठ पर मारने के लिए कहा। 4. मछुआरे की पीठ पर कोड़े मारते समय चोट नहीं लगने का आदेश सुनाया और मंत्री की पीठ पर कोड़े मारते समय जोर से मारने के लिए कहा। **(ग)** 1. मंत्री के 2. आधा 3. पच्चीस 4. बेईमान **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. नहीं गया 2. डाली 3. कहा 4. गया 5. पिटवाया **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** राजा, हम, नीला, राम, पाप **(घ)** 1. तूफान 2. मछली 3. लालच 4. पहरेदार 5. बेईमान **रचनात्मक गविविधयाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-18 राष्ट्रीय पक्षी मोर (क) मौखिक प्रश्न – 1. मोर को 31 जनवरी, 1963 में राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया। 2. भारत के समस्त प्रदेशों में मोर पाए जाते हैं 3. नृत्य (पंखों को फैलाकर) करते हैं। 4. जब सिर पर मुकुट के जैसी कलंगी निकलती है। **(ख) लिखित –** 1. जब मोर गर्दन तान कर चलता है तब वह पक्षियों का राजा लगता है, उसका शरीर भारी होने के कारण वह ऊँचा नहीं उड़ पाता है। 2. मोर की साँप से शत्रुता है वह उसे अपनी तीखी चोंच से टुकड़े-टुकड़े करके मार देता है। 3. मोरनी मोर के समान सुंदर नहीं होती और मोरनी का रंग भूरा व पूँछ भी छोटी होती है। 4. मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किए जाने के कारण इन्हें मारना कानूनी अपराध है। **(ग)** 1. दोनों में 2. एक सौ पचास 3. वर्षा 4. गहरा नीला 5. दोनों सही है। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. धर्मशाला 2. गौशाला 3. प्रयोगशाला वाक्य – छात्र स्वयं बनाए। **(ख)** 1. टुकड़े 2. वस्तु 3. पक्षियों 4. जंगलों 5. कीड़ा **(ग)** 2. अनाकर्षक 3. छोटा 4. रंक 5. कम **(घ)** भोजन – बीज-बेर, शरीर-भारी, पंख-रंग-बिरंगे, गर्दन-लंबी **रचनात्मक गतिविधियाँ –** 1. कमल 2. हॉकी 3. बाघ 4. मोर 5. जन गण मन 6. वंदे मातरम्

प्रश्न पत्र-1 – छात्र स्वयं करें। **प्रश्न पत्र-2** – छात्र स्वयं करें। **प्रश्न पत्र-3** – छात्र स्वयं करें।

Class - 4

पाठ-1 नन्हा-सा पथिक (क) मौखिक प्रश्न – 1. अपना पथ 2. विश्व पथ पर चलना **(ख) लिखित –** 1. विश्व-पथ पर 2. कवि 3. जितना जग ने दिया है उससे कहीं अधिक 4. ईश्वर **(ग)** 1. कवि धरती के स्वर्ग बनाने का वरदान माँग रहा है क्योंकि धरती मनुष्यों को बहुत कुछ प्रदान करती है। जैसे– पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, भोजन, फल सब्जियाँ एवं प्रकृति। 2. कवि ईश्वर से अपना पथ प्रशस्त करने के लिए कह रहा है। जिस पर वह आसानी से अमल करे। 3. नन्हा पथिक अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने की मनोकामना कर रहा है। 4. अपना मार्ग, अच्छाई, बुराई का अंतर एवं कठिनाइयों को दूर करने की बात कर रहा है। **(घ)** 1. ईश्वर से 2. धरती को स्वर्ग बनाने का **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गविविधयाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 तेनाली रामन की कला (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. राजा-महाराजाओं के दरबार में सबका अपनी हाजिर जबाबी से मनोरंजन करने वाले लोग विदूषक कहलाते हैं। 2. रामन 3. विजयनगर के 4. राजा ने कहा था कभी मुँह मत दिखाना। 5. तेलुगु भाषा के **(ग)** 1. रामन की बुद्धिमानी एवं चातुर्य के कारण लोगों को विश्वास था कि वह बहुत बड़ा आदमी बनेगा। 2. तेनाली रामन की हाजिर जवाबी से कि बैठे-बैठे मान लीजिए। भोजन कर लिया बात से प्रभावित हुए। 3. राजा के मुँह न दिखाने की कहने के बाद भी वह मुखौटा लगाकर दरबार में आया इसलिए राजा ने जेल में डालने की आज्ञा दी। 4. राजा कृष्णदेव राय के दरबार में जाने की इच्छा प्रकट की। 5. किसी विद्वान से खाना खाने की बात को मान लेने की कहने पर सभी हँस पड़े। 6. तेनाली रामन की हाजिर जबाबी से प्रभावित हैं क्योंकि उसके पास तुरंत प्रत्येक बात का तोड़ है, और वह सभी को हँसने पर मजबूर कर देता था। **(घ)** 1. कवि 2. भट्टाचार्य 3. गरीबों के पास 4. राजा ने **(ङ)** 1. तेनाली रामन शब्दों के विचित्र अर्थ निकाल लेता था जैसे राजा के मुँह न दिखाने की बात कहने पर मुखौटा लगाकर दरबार में आना। 2. जब हम किसी लक्ष्य प्राप्ति का निश्चय कर लेते हैं तो वह लक्ष्य तक हम कैसे भी पहुँच ही जाते हैं। 3. राजा के दरबार में बहुत अधिक बुद्धिमान व चतुर लोग ही प्रवेश पा सकते हैं। **(च)** 1. तेनालीरामन का असली नाम रामन था। 2. वह बहुत बुद्धिमान एवं चतुर था। 3. उसकी बुद्धिमानी की सभी लोग प्रशंसा करते थे। 4. सभी को विश्वास था कि वह एक दिन बड़ा आदमी बनेगा। 5. अपनी हाजिर-जवाबी से सबको प्रभावित करता था। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सामान्य 2. सत्कार 3. खुश **(ख)** 1. विद्वान 2. बुद्धि 3. विश्वास 4. प्रसन्न **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 तिरंगे का संदेश (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. तीन 2. अशोक-चक्र 3. गति एवं प्रगति का 4. केसरिया 5. देश को हरा-भरा और खुशहाल बनाने का **(ग)** 1. (1) केसरिया – बहादुरी का (2) हरा – खुशहाली एवं हरियाली (3) सफेद – विचारों की पवित्रता का प्रतीक है। 2. देश की शान बनी रहना 3. अशोक चक्र शांति के लिए परिवर्तन के साथ सदा आगे बढ़ने का संदेश देता है। 4. देश की शान व सम्मान के लिए 5. सफेद रंग अहिंसा से दुश्मनों को भी मित्र बनाने का संदेश देता है। 6. हमें अपने तिरंगे से

प्यार करना चाहिए। उसे फहराते व उतारते समय जमीन से स्पर्श नहीं कराना चाहिए। झण्डे को साफ सुथरा रखना चाहिए। **(घ)** 1. रक्षा 2. भूमि का 3. सफेद 4. बहादुरी **(ङ)** 1. प्रत्येक देश का झंडा उस पूरे देश का प्रतीक होता है अत: झण्डे की इज्जत करना, सम्मान करना ही अपनी स्वयं की इज्जत करना है। 2. झण्डा हमारे देश की स्वतंत्रता एवं सम्मान का प्रतीक है अत: इसके सम्मान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य है। **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. बंदर 3. पतंग 4. संदूक **(ख)** 2. विचारों 3. किसानों 4. नहरें 5. श्रमिकों **(ग)** 1. बहादुर – कायर 2. मित्र - शत्रु 3. अहिंसा – हिंसा 4. शांति – अशांति 5. आजाद - गुलाम 6. खुशहाली – बदहाली 7. प्रगति – अवनति /अगति **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 कुत्ते का काटा (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. रोहित को कुत्ते ने काट लिया। 2. घाव को धोना चाहिए। 3. कुत्ते पर दस दिन तक नजर रखने के लिए 4. रेबीज 5. टेटनस का **(ग)** 1. टिंचर, स्पिरिट या डिटॉल, सेनीटाल या सिटावनोल एवं बेंजल कोनियम। 2. सबसे पहले धोकर टिंचर लगाकर, रेबीज के टीके लगाने चाहिए। 3. डॉक्टर देखना चाहते थे कि कुत्ता पागल होकर मर गया या नहीं उसी अनुसार रेबीज के टीके लगाने के लिए डॉक्टर ने कुत्ते पर नजर रखने को कहा 4. रेबीज नामक बीमारी से बचने के लिए। 5. सावधान रहकर कुत्तों को पकड़वाने में नगर निगम की मदद करनी चाहिए। 6. पालतू एवं आवारा कुत्ते के काटने पर क्या उपचार करना चाहिए एवं रेबीज नामक बीमारी से बचने के लिए टेटनस का टीका लगवाना चाहिए। **(घ)** 1. दीपू ने 2. कीटाणु 3. टेटनस का **भाषा-ज्ञान (क)** 1. खून 2. चोट 3. अस्पताल 4. भयंकर 5. आभार **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 कदंब का पेड़ (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. सुभद्रा कुमारी चौहान 2. अपनी माँ को 3. पेड़ पर चढ़ने के लिए 4. बहुत बुलाने पर जब बालक पेड़ से नहीं उतरता है। 5. बालक को बंसी बजाता देख और माँ-माँ कहता देख कर माँ खुश हो जाती है। **(ग)** 1. वात्सल्यमयी चिंता की अभिव्यक्ति हुई है। 2. अपनी माँ को अपने लिए चिंतित देखना उसे खुश करता है और प्यार का अहसास दिलाता है। इसलिए बालक शैतानी करता है। 3. मिठाई, खिलौने, माखन, मिसरी, दूध और मलाई का प्रलोभन देती है। 4. जब माँ आँखें मूदकर भगवान से उसकी सलामती की विनती करती है तब वह धीरे-धीरे नीचे उतरकर उसके आँचल में छिप जाता है। 5. पेड़ पर चढ़कर, पत्तों में छिपता हुआ बंसी के स्वर में अम्मा-अम्मा पुकारता है। **(घ)** 1. बालक मनोभाव 2. बालक 3. डर 4. ईश्वर से विनती करती है। **(ङ)** 1. बड़े मजे से मैं बाँसुरी बजाता, अम्मा-अम्मा कह बंसी के स्वर में 2. कर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे, ईश्वर से कुछ विनती करती, बैठी 3. खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे, माँ कदंब का पेड़ अगर यह, होता **(च)** 1. माँ को व्याकुल होता देख खुश होते हैं इसलिए 2. बालक व उसकी माँ के बीच का प्रेम 3. दिल्ली, मथुरा, आगरा, इलाहाबाद **(छ)** 1. डाली 2. मींचे 3. लूँगी 4. आती **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. पत्ते 3. टहनियाँ 4. बच्चे **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 जल ही जीवन है (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. पानी के महत्त्व को 2. आपसी प्यार के कारण दोनों ही दो बूँद पानी न पीने के कारण मर गये। 3. 98 प्रतिशत 4. वर्षा पर 5. सतलुज नदी **(ग)** 1. जल के बिना प्राणी का जीवन संभव ही नहीं है। 2. रेगिस्तान की तपती भीषण गर्मी में पति-पत्नी अपनी मशक में दो बूँद पानी होने पर भी पहले आप, पहले आप के फेर में पानी न पी पाने के कारण मर गये। 3. नहाने, धोने, वर्तन साफ करने, पेड़-पौधों के लिए, पीने व सफाई कार्यों में पानी का उपयोग होता है। 4. सभी बड़ी नदियों पर बाँध बना दिए। 5. पानी के दूषित होने पर है जा, टायफाइड और विभिन्न प्रकार के चर्म रोग होने की संभावना रहती है। 6. 1. पानी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए :– (1) नदी में मल-मूत्र त्याग नहीं करना चाहिए। (2) कपड़े धोने व जानवरों को नहलाते का कार्य भी नदियों में नहीं किया जाना चाहिए। (3) उद्योगों का गंदा पानी नदियों में नहीं बहाना चाहिए। **(घ)** 1. गला 2. तरबूज 3. पानी से 4. बिजली **(ङ)** बालक स्वयं करें। **(च)** 1. जल के महत्त्व लिखें। 2. गला सूख गया है। **भाषा-ज्ञान – (क)** हम पानी पर निर्भर हैं पानी के बिना जीवन असंभव है। कोई हमें पानी बचाने की राह दिखाए। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 अजंता का वैभव (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. भक्ति, उपासना, धैर्य, प्रेम, लगन एवं हस्त-कौशल के लिए अजंता की गुफाएँ प्रसिद्ध हैं। 2. विहार-गुफाएँ भिक्षुओं के रहने व अध्ययन करने के लिए होती थी। 3. अजंता की सोलहवीं गुफा में 4. उनतीस गुफाएँ हैं। 5. गुप्तकाल की **(ग)** 1. जलगाँव, औरंगाबाद तथा पहूर नामक किसी भी रेल्वे स्टेशन पर उतरकर 2. स्तूप गुफा प्रार्थना व उपासना करने के कारण अधिक लंबी व एक छोर पर स्तूप वाली होती थी। जबकि विहार-गुफा छोटी व भिक्षुओं के रहने व अध्ययन करने के लिए होती थी। 3. 'मार' की सेना भगवान बुद्ध को घेरे हुए हैं तथा सेना चित्रों में भगवान को डराती, क्रोधित होती, क्षुब्ध और लुब्ध होती हुए दर्शायी गई हैं। 4. इसके एक चित्र में भगवान बुद्ध गृह त्याग कर रहे हैं, यशोधरा व उनके संग शिशु राहुल सोया है। दूसरे चित्र में मरती हुई राजकुमारी के लिए सभी अवश्यभावी के सामने बचाने के प्रयास व्यर्थ होते दिखाये गए हैं। 5. गोबर, पत्थर का चूना और धान की भूसी मिला गारे का लेबा चढ़ाया जाता है। 6. चंपेय जातक की कथा है कि बोधिसत्व ने किसी समय नागराज के रूप में जन्म लिया था। संयोगवश वे बंदी बना कर काशी के हाट में बेचे जाने के लिए लाए गए थे। उन्हें उस परिस्थिति से छुड़ा कर काशीराज अपने यहाँ ले गए और उनके सारे परिवार को निमंत्रित किया। **(घ)** 1. महाराष्ट्र में 2. स्तूप गुफा 3. उपर्युक्त सभी 4. काशीराज ने 5. बुद्ध की पत्नी **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **(च)** 1. महाराष्ट्र 2. अपूर्व 3. शिलाखंड 4. भिक्षुओं 5. दीवार 6. सूर्य 7. नीलकमल 8. कुशल **भाषा-ज्ञान – एक-अनेक** 2. पक्षियों 3. किरणें 4. पहाड़ों 5. अंगों 6. चित्रों 7. परिवारों 8 मूर्तियाँ 9. रेखाएँ **(ख)** 2. अलौकिक 3. अभाव 4. असफलता 5. अपूर्व

6. अप्रतिम **(ग)** 2. अपवित्र 3. अनुपस्थित 4. बड़ा 5. आसमान 6. पैर 7. सूक्ष्म 8. अकुशलता 9. निर्जीव **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 अरमान (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. गरीब, दुःखी और बेसहारा लोगों को 2. देश प्रेमियों को 3. वीर-पुरुषों के 4. गरीब व असहायों की सहायता तथा अपने राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए कहा गया है। **(ग)** 1. असहायों व राष्ट्र के विकास के लिए कुछ करना चाहता है इसलिए कवि अमरों में नाम लिखाएगा। 2. 'सबको परिश्रमी बनाना' 3. जो लोग एक-दो प्रयास करके ही हार मान कर बैठ जाते हैं उनके दिमाग कवि के अनुसार बुझे हुए हैं। 4. कवि इस कविता के माध्यम से गरीब, असहाय लोगों के लिए कुछ करके देश व समाज को विकसित करने की बात करता है। **(घ)** 1. अमर होना 2. मातृभूमि की सेवा में 3. उपर्युक्त सभी 4. अपने पूर्वजों का **(ङ)** 1. उत्साह 2. वीरों के 3. मान 4. नाम 5. सर्वस्व **(च)** 1. ✗ ✓ 2. ✓ ✗ 3. ✗ ✓ 4. ✓ ✗ **(छ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** स्वतंत्रता छात्र स्वयं करें। **(ख)** वीर - कायर, सच्चे - झूठे, अँधेरा - उजियारा, सुखी-दुखी, गरीब-अमीर **(ग) रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-9 सच्चाई की जीत (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. कलिंग विजय के बाद 2. नगर कोतवाल से शत्रुता होने के कारण बदले की भावना होना 3. पिता न होने, माँ बूढ़ी होने तथा कहीं रोजगार न मिलने के कारण माँ की दवाईयों के पैसे जुटाने के लिए विवशता वश चोरी करने व पछतावा होने के कारण 4. मुसीबत आने पर भी सदा सत्य बोलना चाहिए। **(ग)** 1. क्रूर, निरकुंश और अन्यायी 2. नगर कोतवाल ने वास्तविक चोर को न पकड़ पाने की नाकामी को छुपाने के लिए उसे जेल में डाल दिया। क्योंकि सच में उसे अपनी चोरी करने का पछतावा था। 3. चौथे कैदी को क्योंकि राजा उसकी सत्य पर अड़िग रहने की बात से प्रभावित हुए। 4. वह न्यायाप्रिय, प्रजा-पालक और कुशल शासक बन गया। 5. दूसरे कैदी ने राजा से क्योंकि वह राजा को प्रभावित करना चाहता था। 6. राजा ने चौथे कैदी से उसके सत्य पर अड़िग रहने व रोजगार की तलाश करने के कारण ऐसा कहा। **(घ)** 1. अन्यायी 2. चौथे कैदी ने 3. उसकी माँ बीमार थी। **(ङ)** 1. राजा से 2. माता व स्वयं 3. दवाई क्योंकि उसकी माँ बीमार थी और उसके पास पैसे नही थे। 4. वैद्य की दुकान पर चोरी करते समय 5. कारागार में **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सिंहनी 2. सम्राज्ञी 3. श्रीमती 4. वीरांगना 5. रानी 6. माता 7. औरत 8. हिरनी **(ख)** 1. बुद्ध, प्रबुद्ध 2. ज्ञाता, ज्ञान 3. क्षत्रिय, क्षति 4. द्वितीय, द्वारा। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 नेहरू की ज़बानी (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. पन्द्रह बरस 2. नेहरू हार मानने वाला नहीं है। 3. लैटिन कम आने के कारण 4. छात्र स्वयं करें। 5. कैंब्रिज केट्रिनिटी कॉलेज में 6. वकालत **(ग)** 1. हैरो स्कूल में दाखिला होने के लिए 2. नेहरू खेलों में बहुत अच्छे नहीं थे। 3. क्योंकि वहाँ उनको अपनी मर्जी के मुताबिक काम करने की आजादी मिलने वाली थी। 4. रसायन-शास्त्र, भू गर्भ-शास्त्र और वनस्पति शास्त्र 5. क्योंकि उस समय वे ICS की उम्र की मियाद के अनुसार छह साल छोटे थे। 6. लंदन के हैरो स्कूल व कैंब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज से 7. नेहरू के पिता भी वकालत करते थे अत: इसे पुश्तैनी पेशा कहा है। 8. कैंब्रिज में तीन साल शांतिपूर्ण बिताए। **(घ)** 1. लंदन में 2. वकालत 3. तीन वर्ष 4. भौतिक शास्त्र **(ङ)** 1. मोती लाल नेहरू 2. बाल दिवस 3. पिता 4. जवाहरलाल नेहरू **भाषा-ज्ञान – एक-अनेक** 2. खेलों 3. दर्जे 4. किताबें 5. लड़के 6. गलियाँ **सर्वनाम –** छात्र स्वयं करें। **(क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. उसके 2. अपने आप 3. उसके **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 सपनों का संसार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. चाँद की किरणों के रथ पर जगमगाती 2. परी आती है और वह स्वयं मछली बन कर फव्वारों में परियों द्वारा नहलाया जा रहा है। बौने (सजीले) आकर उसे देखते हैं। सभी पेड़ों पर मीठे फल हैं, बौने उसे परीलोक ले जा रहे हैं। 3. सुन्दर जगमगाती जादुई छड़ी लिए परी दिखती है। 4. परीलोक **(ग)** 1. मछली बनाकर फव्वारे में नहलाती है एवं बौनों के द्वारा परीलोक में पहुँचाती है। 2. सुन्दर जगमाती परी, मीठे फलवाले पेड़, फव्वारे, सजीले बौने और परीलोक 3. परी द्वारा जादुई छड़ी घुमाने के बाद 4. क्योंकि जागने पर भी वह सुंदर सपना भुला नहीं पाता है। **(घ)** 1. चन्द्र किरण रूपी रथ पर 2. रुपहली छड़ी 3. सपना सुंदर होने के कारण **(ङ)** 1. सुबह नींद त्यागने के बाद भी 2. जागने के बाद भी खुशनुमा सपना उसे याद रहता है। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. रुपहले 2. नहाने 3. घुमाती 4. पाता **(ख)** 1. छड़ी 2. परी 3. चन्द्र 4. रथ 5. बौने 6. फल 7. पेड़ 8. उपवन 9. स्वप्न 10. पर्वत **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 'वृक्ष' प्रकृति का अनुपम उपहार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. पेड़-पौधों से 2. कंदमूल एवं फल 3. कार्बन डाई ऑक्साइड 4. पेड़-पौधों के पत्तों को खाने वाले जानवर सूर्य की ऊर्जा प्राप्त करते हैं और उन जानवरों को खाकर माँसाहारी जीव भी इस ऊर्जा को ग्रहण करते हैं। 5. ईंधन के काम आती है। 6. सर्व रोग हरे निम्ब: **(ग)** 1. वृक्षों के अस्तित्व का अभूतपूर्व खतरा उत्पन्न हो गया है। 2. शाकाहारी जानवर पत्तों को खाकर सूर्य की ऊर्जा प्राप्त करते हैं और शाकाहारी जानवरों को माँसाहारी जानवर खाते हैं जिससे यह ऊर्जा उन तक भी पहुँचती हैं, यही है प्रकृति प्रदत्त भोजन चक्र। 3. पेड़ कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करके ऑक्सीजन में परिवर्तित कर देते हैं अत: ऐसा कहा गया है। 4. पेड़-पौधों के सूखे तने से घर व कार्यालयों का फर्नीचर बनाया जाता है। कई औषधियाँ बनाई जाती हैं। पेड़ों से रबर, गोंद, लाख एवं तारपीन का तेल भी प्राप्त होता है तथा इनके सूखने पर यह ईंधन के काम आते हैं। 5. पेड़ों की अंधाधुंध कटाई 6. तुलसी, कदली, आँवला, बहेड़ा, हर्र, कदंब, अशोक, बिल्वपत्र, पीपल व शाल्मली आदि। 7. क्योंकि पेड़

काटना शिशु हत्या के जैसा है। 8. फलों के मुरब्बे, अचार, रस और औषधियाँ भी बनाये जाते हैं। **(घ)** 1. नीम को 2. शिशु हत्या जैसा **(ङ)** 1. देवों 2. नीम 3. आवश्यक 4. कर्तव्य 5. असंभव **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. जातिवाचक 2. जातिवाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. भाववाचक 5. जातिवाचक **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 तर्क की बात (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. दक्षिण भारत 2. दो बार 3. किसी जादुई शक्ति के कारण वहाँ रखी चीजें जीवित हो जाती हैं। 4. क्योंकि उन्हें विश्वास हो गया था कि अयप्पा उन्हें मूर्ख बना रहा है। 5. अयप्पा के तर्क को सुनकर न्यायाधीश निरुत्तर हो गया। **(ग)** 1. दक्षिण भारत का रहने वाला बुद्धिमान व्यक्ति उसने अपने जन्मदिन पर दावत दी थी। 2. उसने कहा कि तहखाने में स्थित जादुई शक्ति के कारण बर्तनों को देने में देर हो गई और बरतनों के बच्चे पैदा होने की बात भी बताई। 3. वह अगली बार भी लोगों के बर्तन ऐंठना चाहता था। 4. उसने कहा कि यदि लोग जन्म (बर्तनों का) में विश्वास रखते हैं तो मृत्यु में भी मानना पड़ेगा। 5. छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. दक्षिण 2. दावत 3. जादुई 4. नाव में 5. लालच वश **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. अस्वीकार 3. दुर्गम 4. असुरक्षित 5. अनिश्चिय 6. अकाल **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 2. दिन 3. बरतन 4. लोग 5. दावत **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14 तोता राम की तकदीर (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. आकाश की रटने की आदत के कारण 2. नौ 3. क्योंकि उसने एक-दूसरे प्रश्नों के उत्तर आपस में मिला दिये थे। 4. नौ विद्वान 5. महाराणा प्रताप का 6. न्यूयार्क में **(ग)** 1. पढ़ाई इम्तहान के समय नहीं रोजाना करनी चाहिए। 2. अकबर का जन्म 1956 में पोरबंदर, गुजरात में हुआ वह जहाँगीर का बेटा था। उसने ताजमहल बनवाया। 3. आकाश ने तरुण से 4. पढ़ाई समझने वाली होती है एवं हमें प्रत्येक विषय-वस्तु को समझने के लिए हर दिन पढ़ाई करनी होती है। इम्तहान के समय पढ़ाई नहीं रटा जाता है और आकाश के जैसा हाल हो जाता है। 5. क्योंकि उसने सारे उत्तर गलत लिखे थे। 6. खेलने से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है जो कि पढ़ाई के लिए अत्यंत आवश्यक है। 7. इस एकांकी से हमें शिक्षा मिलती है कि अगर नियम से पढ़ा जाए तो कुछ समय का पढ़ना भी बहुत होता है। **(घ)** 1. अकबर का 2. 1757 में 3. तेनसिंह शेरपा 4. ताजमहल 5. न्यूयार्क **(ङ)** 1. तीर 2. दिल्ली 3. शिवाजी 4. दिल्ली 5. अफगानों से **(च)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. बार-बार दोहराना 2. बेचैन होना 3. कुछ समझ न आना 4. हँसना 5. कमी नहीं होना **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 नई दृष्टि की तलाश (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. नेत्रहीन होने के कारण 2. लुई ब्रेल के द्वारा आविष्कार होने के कारण 3. पिता की कार्यशाला में नुकीला औजार आँख में लग जाने के कारण 4. चमड़े की चप्पल बनाना व कुर्सी बुनना सीखा। 5. शिक्षक के पद पर **(ग)** 1. लुई ब्रेल एवं ब्रेल लिपि के बारे में 2. दृष्टिहीन बच्चों के पढ़ाने के लिए ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाता है। 3. इस लिपि में विशेष नुकीले औजार से मोटे कागज पर बिंदुओं को उभारकर बनाया जाता है। इसमें छह बिंदु होते हैं। दृष्टिहीन व्यक्ति इनपर हाथ फेरकर आसानी से विषय-वस्तु को पढ़ लेते हैं। 4. लुई ब्रेल ने सामान्य पुस्तकों को ब्रेल लिपि में लिखा इस तरह उनके अँधकारमय जीवन में प्रकाश की किरणें बिखरी। 5. शिक्षक, वकील, पत्रकार, संगीतज्ञ के रूप में 6. हमें सदा नेत्रहीन व्यक्तियों की सहायता करनी चाहिए। **(घ)** 1. अंधा 2. अंधे 3. 1809 में 4. 15 वर्ष 5. बार-बार सुनने के लिए **(ङ)** 1. वृद्धि 2. ब्रेल 3. नुकीले 4. सार्थक 5. कर्तव्य **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. गुण + हीन 2. भाव + हीन 3. धन + हीन 4. नेत्र + हीन **(ख)** 1. नेत्रहीनों – जातिवाचक 2. लुई ब्रेल, ब्रेल लिपि – व्यक्तिवाचक 3. रवि – व्यक्तिवाचक, छड़ी – जातिवाचक 4. शिक्षक, वकी, पत्रकार – जातिवाचक **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 बाबा की सीख (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. 9 वर्ष 2. गाँव व देश-विदेश की 3. आम के पेड़ों की रखवाली के लिए 4. अपने परोपकारी एवं सहृदय स्वभाव के कारण 5. अपने बाबा के बताये परोपकार के सद्मार्ग पर चलकर **(ग)** 1. बाबा रामायण व महाभारत की कहानियाँ लोगों को सद्मार्ग पर चलने के लिए सुनाया करते थे। 2. बाबा बहुत परोपकारी एवं सहृदय थे। 3. क्योंकि एक अजनबी पड़ोसी का छाता चुराकर ले जा रहा था। 4. भोजन के लिए पैसे न होने की बात अजनबी ने बताई। 5. बाबा के बताने के बाद अजनबी ने रिक्शा चलाना शुरू किया। **(घ)** 1. 87 वर्ष 2. गाय का दूध पीने के लिए 3. भूखा होने के कारण 4. ईमानदारी से मेहनत करने की **(ङ)** 1. प्रिय 2. अजनबी को 3. क्षमा 4. ईमानदारी से **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 2. अजनबी 3. सहृदय (दयालु) 4. रिक्शा चालक 5. परोपकारी **(ग)** 1. पास 2. मृत्यु 3. हतोत्साहित 4. खरीदना 5. क्रूर 6. आलसी **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 सृष्टि का सौन्दर्य (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. सुन्दर रूप 2. वृक्ष फल-फूलों से लदे होकर झूम रहे हैं। 3. कलरव कर रही हैं। 4. सात रंग 5. प्यारी व सुन्दर **(ग)** 1. सूरज, चंदा और तारे चमक रहे हैं। सूरज अँधियारा दूर कर रहा है, चाँद रात्रि को सुन्दर रूप प्रदान कर रहा है और तारे-झिलमिला रहे हैं। 2. रंग-बिरंगे फल-फूलों, वृक्षों, पर्वतों, नदियों, पक्षियों द्वारा 3. चिड़ियाँ के सुमधुर कलरव के कारण प्रकृति हँसती हुई लग रही है। 4. प्राकृतिक दृश्यों पेड़-पौधों, फल-फूल, चाँद, सूरज, तारे, पक्षी, पर्वत नदियों के कारण दुनिया प्यारी लगती है। 5. सृष्टि की सुन्दरता का वर्णन है। **(घ)** 1. सूर्य के चमकने से 2. तारे 3. चिड़ियों के कलरव से 4. ईश्वर

5. आकाश को चूम रहे हैं। **(ङ)** 1. आए चमकीले-चमकीले, आसमान पर छाए देखो कितने 2. कलरव से गूँज उठी है धरती, छाई रहती ऐसी सुषमा प्रकृति। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. धरा, वसुंधरा 2. आसमान, नभ 3. पर्वत, गिरि 4. चाँद, चन्द्र 5. सृष्टि, कुदरत **(ख)** 1. बदसूरत 2. अप्रिय 3. भद्दा 4. आसमान **(ग)** 1. मनमोहक 2. अच्छी 3. सदा 4. सत्य **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें। **पाठ-18 एक-बूँद (क) मौखिक प्रश्न** – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. बारिश की बूँद की 2. हवा 3. मोती 4. बूँद की बेबसी का मानवीकरण किया है। **(ग)** 1. वर्षा के पानी की बूँदों का क्या होता है यह इस कविता में बताया है। कि वह धूल में, अंगारे पर, कमल के फूल में या सीप के मुँह में कहीं भी गिर सकती है। 2. कवि ने इस कविता में बताया है कि बूँद को बादलों मे से निकलने से पहले यह पता नहीं होता है कि उसका क्या होगा। अतः किसी कार्य को करने से पहले घबराना नही चाहिए। 3. बूँद अपना घर छोड़कर नहीं जाना चाहती है क्योंकि उसे पता है कि वह नहीं बचेगी। 4. बूँद को घर छोड़ना ही पड़ता है। **(घ)** 1. अंगारों से 2. बादलों से 3. समुन्दर की ओर 4. सीप का **(ङ)** 1. वह समुन्दर और आई अनमनी, वह उसी में जा पड़ी मोती बनी। 2. जी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी, आह! घर या छोड़कर मैं क्यों कढ़ी।

(च) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. बदसूरत 2. दानव 3. खुश 4. हमेशा 5. बंद 6. पकड़ना **(ख)** 1. पवन, वाय, समीर 2. मेघ, पयोद, जलधर 3. नीरज, पंकज, जलज 4. पुष्प, कुसुम, सुमन 5. समय, घड़ी, क्षण 6. सागर, जलधि, सिंधु **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-19 सरोजिनी नायडू (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. 15 अगस्त 1947 को 2. (1) लेडी विथ दी लैप (2) इंडियन लव साँग (3) माई डैड ड्रीम 3. गोलमेज सम्मेलन में 4. मधुर स्वर में गाने व प्रभावशाली ढंग से भाषण देने के कारण 5. उनका विवाह 1898 में डॉ. गोविन्दराजलु नायडू के साथ हुआ। **(ग)** 1. सरोजिनी नायडू ने प्रभावशाली ढंग से भाषण देते हुए लोगों को अंग्रेजों द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात से अवगत कराया एवं महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए भी विशेष कार्य किये। 2. सरोजिनी नायडू के तीन प्रमुख काव्य संग्रह थे – द गोल्डन थ्रेसोल्ड, द बर्ड ऑफ टाइम, द ब्रोकन किंग। 3. महिलाओं की स्थिति सुधारने व सशक्तिकरण करने के लिए उनमें देश के लिए सब न्योछावर करने का जुनून जगाया और अपने बोलने के प्रभावशाली ढंग से सीभ महिलाओं को संगठित किया। सरोजिनी नारी मुक्ति की समर्थक थी। 4. महात्मा गाँधी द्वारा चलाये गये 'नमक आंदोलन' में तथा इंग्लैंड में होने वाले 'गोलमेज सम्मेलन' में सरोजिनी नायडू ने साथ दिया। **(घ)** 1. 2 मार्च 1949 को 2. बंगाल 3. उत्तर प्रदेश 4. भारत - कोकिला 5. इंग्लैंड **(ङ)** 1. ग्रहण 2. प्रभावशाली 3. हाजिर जवाब 4. भाषणों 5. राज्यपाल **(च)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. प्रोत्साहित 2. निर्धन 3. मरण 4. मादा 5. निर्दोष 6. परतंत्रता **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ** – छात्र स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-1 – छात्र स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-2 – छात्र स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-3 – छात्र स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-4 – छात्र स्वयं करें।

Class - 5

पाठ-1 पुत्र का प्रण (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. परिश्रम से किए गए कार्यों का फल 2. भारत माता व अपना देश (जन्मभूमि) 3. अपने ऊपर बाधाएँ आने पर भी अंतिम साँस मातृभूमि को देखते हुए अपने प्राणों की बलि देते हुए सभी श्रम से किये गये कार्यों का फल भारतमाता के लिए अर्पित करना चाहता है। 4. अपने सभी सुखों का त्यागकर के मातृभूमि की रक्षा करनी चाहिए। **(ग)** 1. कवि भारतमाता को बिलकुल सुरक्षित हरी-भरी एवं सुखद रूप में देखना चाह रहा है। 2. श्रम से संचित फल का आशय 'कड़ी मेहनत के द्वारा किये गए कार्यों के परिणाम से हैं। 3. कवि भारतमाता को सुरक्षित रखने के लिए दृढ़तर करने के लिए इसलिए कहता है क्योंकि वह मृत्यु पथ पर बढ़ते हुए अपने प्राणों की बलि देना चाहता है। 4. इस कविता का मूल भाव है कि हमें अपने सभी सुखों को त्यागते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए कठोर परिश्रम करते हुए जरूरत पड़ने पर प्राणों की बलि देने से पीछे नही हटना चाहिए। **(घ)** 1. माँ को 2. माँ की मूर्ति 3. मातृ-सेवा **(ङ)** दृग जल से पा बल, बलि कर दूँ, जननि! जन्म-श्रम-संचित। अपलक, डर के शतदल पर; क्लेद युक्त, अपना तन दूँगा। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. जीवन 2. कमतर 3. जब्त (बँधा हुआ) 4. विकल **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 बेशकीमती तोहफ़ा (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. तुर्की देश का 2. पुत्री शायना के विवाह की 3. तीन राजकुमारों को 4. एक माह का 5. जरूरत मंदों की सेवा करने से। **(ग)** 1. तीनों राजकुमार राजसी घरानों में जन्में, परम योद्धा थे। सभी बलिष्ठ एवं सुंदर, नम्र एवं मृदुभाषी थे। 2. राजकुमारी शायना युवा व कोमलांगी थी एवं उसकी सुंदरता के कारण कई युवक विवाह के लिए तैयार थे। 3. सुलतान ने राजकुमारों को परखने के लिए राजकुमारी के लिए तोहफा लाने उन्हें यात्रा पर भेजने का निश्चय लिया। 4. राजकुमार डाकिला का तोहफा एक बंदूक थी। जिसे सब देशों में युद्ध के लिए प्रयोग किया जाता है। 5. राजकुमार मोरगल की खून से लथपथ एक राहगीर, डाकुओं से भयभीत गरीब एवं असहाय लोग मिले। 6. सुलतान ने अपनी पुत्री का हाथ मारगंल को उसकी नेक दिल स्वभाव एवं जरुरतमंदों की सेवा करने के कारण सौंपा। 7. इस कहानी से हमें गरीब, बेसहारा, असहाय एवं जरूरतमंदों की सेवा व सहायता करने की शिक्षा मिलती है। **(घ)** 1. पूर्णिमा तक 2. ढोल-नगाड़ों से 3. व्यस्त रहने के कारण **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. दिया, दीपक 3. संदेश वाहक, दरबारी 4. घायल, चोटग्रस्त 5. भेंट, तोहफा। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 सी.वी.रमन की सदाशयता (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. चंद्रशेखर वेंकटरमन के जैसा बनने की 2. इंडियन साइंस क्रांग्रेस के सम्मेलन के लिए 3. सी.वी.रमन को दूर से देखते रहने से 4. शिवष्ण (लेखक) को 5. सी.वी.रमन से पहली मुलाकात **(ग)** 1. लेखक सी.वी.रमन को अपना गुरु मानता था क्योंकि वह भी उनके जैसा विज्ञानी बनकर विज्ञान की प्रगति का निमित्त बनाना चाहता था। 2. सहपाठियों द्वारा लेखक का उपहास उडाया क्योंकि उन्हें विश्वास था कि वह सी.वी.रमन जैसा नहीं बन सकता। 3. लेखक द्वारा रोने का कारण महाविज्ञानी सी.वी.रमन को बताने के कारण ही वे विस्मित हुए क्योंकि वे लेखक से तब तक परिचित नहीं थे। 4. लेखक द्वारा रोने का कारण सी.वी.रमन से मुलाकात नहीं होना व शिष्य बनने की अभिलाषा को पूरा होते प्रतीत न होना बताया। 5. सी.वी.रमन को विज्ञान से बचपन से ही बहुत लगाव था। वे विश्व के सर्वोच्च नोबेल पुरस्कार से अलंकृत हुए वे महाविज्ञानी थे। उन्होंने विज्ञानाचार्य बनकर विज्ञान की प्रगति में योगदान दिया। वे वैज्ञानिक होते हुए भी वात्सल्य व सदाशयता से परिपूर्ण थे। **(घ)** 1. विज्ञान 2. इंडियन साइंस कॉंग्रेस 3. शिवा **(ङ)** 1. हृदय 2. निर्माता 3. वैज्ञानिक 4. एकलव्य **(च)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान (क)** 1. रूपाली – रू, शुरू – रू, गुरूर – रू, मरूधर – रू, गरुड – रु, रूबी – रू, वरुण – रु **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 मेरे बिना कक्षा अधूरी (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. श्यामपट्ट की 2. लकड़ी के तख्तों से 3. श्यामपट्ट पर लिखा हुआ साफ करना 4. रंगीन कलम से 5. अपशब्द **(ग)** 1. सर्वप्रथम श्यामपट्ट लकड़ी के तख्तों से बनता था, उसके बाद सीमेन्ट से काला रंग लिए, बाद में हरे रंग का और आजकल सफेद रंग का लकड़ी के तख्ते जिस पर रंगीन कलम, व मुलायम डस्टर से क्रमशः लिखा व मिटाया जाता है। 3. पर्यावरण को लकड़ी की कटाई से बहुत हानि होने के कारण श्यामपट्ट लकड़ी की जगह सीमेंट के बनाए जाने लगे। 4. कक्षा श्यामपट्ट के बिना अधूरी है क्योंकि लिखाई-पढ़ाई का कार्य इस की सहायता से ही होता है। यह शिक्षकों का सहायक व विद्यार्थी का सहपाठी होता है। **(घ)** 1. श्यामपट्ट 2. स्मार्ट बोर्ड 3. शिक्षक और शिक्षार्थी 4. सहयोगी 5. पढ़ाने के लिए **(ङ)** 1. य 2. स 3. द 4. ब 5. अ **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. अ + बोध 2. सम् + वाद 3. परि + वर्तन 4. वि + ज्ञान **(ग)** 1. तरु, विटप 2. पिता, तात 3. अध्यापक, आचार्य 4. दुःख, संकट **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–5 खून की दास्तान (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित – 1.** कहानी सुनाने लगी। 2. प्लाजमा एवं रुधिर कणिकाएँ 3. लाल रक्त कणों की अधिकता एवं हीमोग्लोबिन के कारण 4. हिमोग्लोबिन के लौह कण फेंफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के सभी भागों में पहुँचाते हैं। 5. सब्जियों-पत्तागोभी, पालक अंडें व माँस में मिलते हैं। **(ग)** 1. ''बहता है पर, पानी नहीं। लाल है पर सेब नहीं', जीवन का अनमोल रतन, बतलाओं उसका नाम कुछ करो जतन।'' 2. लौहे तत्व हरी सब्जियों एवं फलों तथा अंडे व माँस में मिलता है यह जानकारी आरती को गुरुजी ने दी। 3. शरीर में खून की कमी, खाने में लोहे तत्वों की कमी एवं पेट में कीड़े होने से 'अनीमिया' नामक बीमारी हो जाती है। 4. चार्ल्स प्रथम के निजी चिकित्सक डॉ. हार्वे ने रक्त संचार प्रणाली पर अनुसंधान किया और वे इस परिणाम पर पहुँचे कि ''दिल रक्त को शरीर के भीतर ही चक्रनुमा रास्ते में फेंकता हैं।'' 5. रक्त का रंग गहरा लाल होता है इसके दो भाग होते हैं– (1) प्लाज्मा (2) रुधिर कणिकाएँ (1) प्लाज्मा – रक्त का पतला भाग होता है। (2) रुधिर कणिकाएँ तीन प्रकार की होती है। (1) लाल कणिकाएँ (2) सफेद कणिकाएँ (3) प्लेटलेट्स हृदय के द्वारा शरीर के सभी अंगा में रक्त पम्प किया जाता है। **(घ)** 1. पेंसिल छीलने से 2. प्लाज्मा 3. माइक्रोस्कोप से 4. अनीमिया **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. प्जाज्मा 3. अनीमिया 4. रोचक 5. अनुसंधान **(ख)** 1. कसकर 2. हिलाकर 3. समाप्त 4. ऊपर **5.** जल्दी-जल्दी **(ग)** 2. शिक्षकों 3. सब्जियाँ 4.मिठाई 3. शिक्षिका 6. कणिकाएँ **रचनात्मक गतिविधियाँ – छात्र स्वयं करें।**

पाठ–6 चेतक का चमत्कार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. श्याम नारायण पांडेय 2. हल्दी-घाटी युद्ध का 3. उसके त्याग और बलिदान के कारण 4. हल्दी घाटी युद्ध का 3. उसके त्याग और बलिदान के कारण 4. हल्दी घाटी युद्ध में 5. (1) घोड़ा सभी जानवरों की अपेक्षा फुर्तीला एवं सरपट दौड़ने वाला होता है। (2) घोड़े साहसी एवं वीरता के कारण राजा-महाराजाओं द्वारा युद्ध व शिकार पर जाने के लिए प्रयोग किए जाते थे। ये शाकाहारी जानवर है। **(ग)** 1. इस कविता में वर्णित चेतक से हमें वीरता, बलिदान एवं साहस की सीख मिलती है। 2. चेतक बहुत तेज दौड़कर हवा से बातें कर रहा था। राणा के इशारा करने से पहले ही वह फुर्ती से दूसरी तरफ के शत्रु की तरफ मुड़ जाता था। उसको कभी भी कोड़े मारने की जरूरत नहीं पड़ी। शत्रु सेना के समक्ष वह साहसी व वीर बनकर डँटा रहा। भाले से चोट लगने के बावजूद वह लड़ता रहा। 3. चेतक को 'वज्रमय बादल-सा' इसलिए कहा गया है क्योंकि शत्रु सेना के समक्ष वह डँटा रहा तथा नदी के समान हर कोने में प्रत्येक शत्रु से लड़ने के लिए खड़ा रहा। 4. चेतक के साहस, वीरता एवं बहादुरी को देखकर शत्रु सेना चकित थी। 5. चेतक ने अपना रण कौशल हल्दी घाटी के युद्ध में दिखलाया। **(घ)** 1. राणा प्रताप के घोड़े का 2. चेतक से 3. उपर्युक्त सभी 4. चेतक का त्याग **(ङ)** 1. लेकर सवार उड़ जाता था, राणा की पुतली फिरी नहीं, 2. गिरा निपंग, हय टापों से खन गया अंग। बैरी समाज रह गया दंग, घोड़े का **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. ढालों 2. अंग 3. नद-सा 4. ढंग **(ग)** 1. सामान्य 2. सूक्ष्म 3. साधारण 4. मीत **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–7 पाप का बोझ – (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें।**(ख) लिखित –** 1. राधे की बहू कबरी से घृणा करती थी क्योंकि कबरी बिल्ली हमेशा दूध मलाई, व रबड़ी चट कर जाती थी। 2. बिल्ली थोड़ी देर के लिए सुन्न पड़ गई। 3. बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित करवाने के लिए पंड़ित को बुलाया गया। 4. इक्कीस दिन 5. समाज में व्याप्त अंधविश्वासों से दूर रहने का संदेश इस कहानी द्वारा मिलता है। **(ग)** 1. बिल्ली राधे के लिए बचाई हुई रबड़ी, खीर और दूध-मलाई खा जाया करती थी। 2. लोगों ने कहा कि बिल्ली की हत्या

आदमी की हत्या के बराबर है जब तक हत्या न उतर जाए तब तक कोई कुछ खा पी नहीं सकता। यह नरक में पहुँचाने वाला पाप है। 3. पंडित जी छोटे कद के मोटे-से आदमी थे। लम्बाई चार फुट चार इंच और तोंद का घेरा बासठ इंच। चेहरा गोल-मटोल, मूँछ बड़ी-बड़ी रंग गोरा एवं एक चोटी कमर तक पहुँची हुई। 4. पंडित जी ने इक्कीस दिन का पाठ, इक्कीस तोला सोने की बिल्ली का दान एवं इक्कीस दिनों तक पाँच ब्राह्मणों को भोजन, आठ मन गेहूँ, दो मन चावल, एक मन दाल, मन भर तेल, पाँच मन जौ और पाँच मन चना, चार पंसेरी घी और मन भर नमक का दान प्रायश्चित के लिए बताया। 5. बिल्ली के उठकर भाग जाने की खबर से पंडित भी अपना सामान समेट कर भाग खड़े हुए। **(घ)** 1. राधे की बहू से 2. इक्कीस तोले 3. लालची **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. पंडित 2. चिंता 3. प्रबंध 4. दिनांक 5. इंच 6. कंघा 7. चाँद 8. आँख 9. कठिनाइयाँ 10. नदियाँ 11. माँ 12. पाँच **(ख)** 2. ठकुराइन 3. कवियत्री 4. विदुषी 5. नौकरानी 6. बेटी 7. बिल्ली **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–8 वृक्ष : प्रकृति के उपहार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. आशवथमु एवं बोधि 2. आयुर्वेदिक औषधियों में नीम के पत्ते, फल, फूल, गोंद, छाल, तना, लकड़ी, जड़ आदि सभी भागों को प्रयोग में लिया जाता है। 3. फाइकस बेंगलेंसिस 4. शिशम के पेड़ लगाकर भूमि की उर्वरा-शक्ति एवं भू-संरक्षण को बढ़ाया जा सकता है। 5. बरगद का पेड़ **(ग)** 1. बीज को जमीन में बोकर अथवा पौधशाला में सामान्य विधि से या टहनी को काटकर पीपल का वृक्ष लगाया जा सकता है। 2. नीम को गुजराती में 'लीमड़ी', बंगला में नीमगाछ' तथा दक्षिण भाषाओं में 'वेप' एवं वैज्ञानिक नाम 'ऐजेडिरक्टा इंडिका' नाम से जाना जाता है। 3. पीपल को भारती पूजा एवं श्रद्धा का वृक्ष माना जाता है। इसे पुण्य-फल देने वाला माना गया है। 4. बरगद के पेड़ के नीचे गाँव का पवित्र देवस्थान बना होता है इसकी छाँव में ही गाँव की पंचायत होती हैं। 5. बबूल को सामाजिक वानिकी का पर्याय इस लिए कहा जाता है क्योंकि इससे ईंधन, चारा एवं लकड़ी तीनों आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। इसकी छाल, गोंद, फलियाँ सभी प्रयोग होती हैं। 6. ''वृक्ष पर्यावरण के रक्षक हैं।'' सुखी जीवन के लिए वृक्ष आवश्यक हैं, वृक्षों से वातावरण शुद्ध रहता है। वृक्षों से बहुत सी उपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं, जैसे– रबर, फल-फूल, गोंद, लकड़ी औषधि, चारा आदि। वृक्षों से प्राणवायु मिलती हैं। वृक्ष कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करके वातावरण को शुद्ध करने में सहायक है। ये भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं एवं भू-संरक्षण में सहायक है। **(घ)** 1. वृक्षों की पूजा की 2. उपर्युक्त सभी 3. नीम 4. 15 वर्ष 5. शीशम **(ङ)** 1. निबोली 2. पीपल 3. बहुशस्ति 4. जटाएँ 5. नीम **भाषा-ज्ञान (क)** 1. प्रहार, 2. प्रकार, 3. प्रदोष, 4. प्रदीप **(ख)** औषधि + इय – औषधीय, दर्शन + इय – दर्शनीय, रस + इक – रसिक, प्रति + इक – प्रतीक **(ग)** 1. पाप 2. दुखी 3. बंजर 4. संतुष्ट 5. अधार्मिक 6. उखाड़ना **(घ)** 1. आशवथमु, आसु 2. तरु, विपट 3. डाली, तना 4. बीमारी, पीड़ा **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–9 आज़ादी का मसीहा (क)मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1.दासों का जीवन देखकर 2. गरीब 3. अमरीका के पिजन क्रीक गाँव में 4. पढ़ाई का 5. अब्राहम लिंकन **(ग)** 1. अमरीका में पहले दास प्रथा थी जिसका अंत अब्राहम लिंकन ने किया। 2. लिंकन गरीब होने के कारण एक झोंपड़ी में रहते थे जिनकी खिड़कियाँ टूटी हुई थी, छत भी टूटी होने के कारण बारिश का पानी टपकता था। खाने-पीने की भी अपर्याप्तता थी। 3. पढ़े हुए पृष्ठों को शब्दश: सुना देने के कारण मित्र उसे अचरज से देखते थे। 4. सड़क की रोशनी में लिंकन घर पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण पढ़ता था। 5. प्रतिष्ठित आदमी ने बहुतन्सी किताबें पढ़ने के लिए देकर लिंकन की मदद की। **(घ)** 1. अब्राहमलिंकन 2. लिंकन की ताकत का 3. दास-प्रथा **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. गाँव 2. आँख 3. हँसी 4. मुँह **(ग)**1. दरवाजे 2. किताबें 3. महिलाएँ 4. कविताएँ **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–10 तथागत और तथास्तु (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. सूखे एवं अकाल के कारण 2. धनी भक्तजनों को 3. भगवान तथागत का प्रिय शिष्य 4. अपने खेतों एवं राज्य का कर चुकाने की 5. तथास्तु! तुम्हारा निश्चय पूरा हो।'' **(ग)** 1. अकाल के कारण सभी पेड़-पौधे सूख गये एवं पशु-पक्षी प्यास से व्याकुल थे। सभी भूख-प्यास से मर रहे थे। 2. उन्होंने नगर के धनी भक्तजनों को बुलावा भेजा। जिससे कि लोगों की सहायता करें। 3. अपने खेत सूखने एवं राज्य का कर न चुका पाने की असमर्थता उस क्षेत्रपाल (सेनापति) ने बुद्ध को बताई। 4. भानुप्रिया तथागत के प्रिय शिष्य अनाथपिंडद की पुत्री थी। वह बहुत दयालु एवं बुद्धिमान थी। 5. सभी लोगों द्वारा भानुप्रिया के कटोरे में अपने भंडार उलीच देने से अकाल पीडितों को भूखा नहीं रहना पड़ा। 6. हम सभी को प्राकृतिक आपदा के समय एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। **(घ)** 1. अकाल पड़ने के कारण 2. सिद्धार्थ 3. भानुप्रिया ने 4. भिक्षा माँगने का **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. सारी 2. व्याकुल 3. सभी 4. तुच्छ **(ग)** 1. चेला 2. अनाज 3. धरा 4. महिला 5. बारिश 6. समान 7. नृप 8. शहर **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–11 उपवन के फूल (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. एक ही धरती की 2. चाँद की चाँदनी में 3. मीठे गुंजन के स्वर 4. गले का हार बनना 5. फूल **(ग)** 1. सभी को साथ रहने व एक जैसा मानने का संदेश इस कविता से मिलता है। 2. सूरज से फूलों की कलियाँ खिलती हैं एवं चाँद की चाँदनी में सभी फूल चमकते हैं। 3. सभी फूल अलग-अलग क्यारियों में उगते हैं लेकिन सब साथ मिलकर ही उस उपवन को सुशोभित करते हैं। अर्थात् साथ रहने से ही शोभा बढ़ती है। 4. सभी कुसुमों के लिए (फूलों) कवि 'हम सब' कहाँ है? **(घ)** 1. फूलों के लिए 2. सूरज की किरणें 3. हँसकर जीना 4. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी **(ङ)** 1. जिसकी हम सबको नहलाती मिले एक से स्वर हमको हैं भ्रमरों के मीठे गुंजन के, हम सब कुसुम एक उपवन के। 2. काँटों में खिलकर हम सबने हँस-हँसकर है

जीना सीखा, एक सूत्र में बँधकर हमने हार गले का बनना सीखा। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. मृदा, माटी 2. चंदिका, कौमुदी 3. भँवरा, भौंरा, अलि 4. आकाश, नभ 5. गरीब, रंक, कंगाल **(ख)** 1. आकाश 2. बंद होना 3. फूल 4. रोना **(ग)** 2. स् + उ + ग् + अं + ध् + अ 3. न् + इ + र् + ध् + अ + न् + अ 4. क् + य् + आ + र् + ई **(घ)** 1. छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–12 असली माँ (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. स्वतंत्रता के लिए सेनाएँ प्रयाण करने के लिए 2. माँ की चिंता करते हुए 3. प्रत्येक घर से एक युवक की भर्ती 4. उसकी माँ का देहांत हो जाने कारण 5. भारतमाता की सेवा के लिए अपने प्राणों की परवाह न करने का प्रण लिया। **(ग)** 1. भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रत्येक घर से एक युवक सेना बनाने के लिए माँगा जाने का शुभ समाचार माँ ने अपने बेटे को सुनाया। 2. पहले दिन युवक को सेना में भर्ती नहीं किया गया क्योंकि नेताजी की आज्ञा थी कि जिसके घर में कोई बेसहारा हो जाए ऐसे व्यक्ति को सेना में भर्ती किया जाए। 3. युवक की माँ अपने बेटे को भारतमाता की स्वतंत्रता में भागीदार होते न देखा कर सदमें में ही चल बसी। 4. कर्नल ने युवक से कहा कि नेताजी के आदेशानुसार जिसका इकलौता बेटा हो उसे सेना में भर्ती नहीं किया जा सकता है। 5. मातृभूमि की सेवा के लिए हमें अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करनी चाहिए। यह संदेश इस एकांकी से मिलता है। **(घ)** 1. देश भक्ति 2. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने 3. अपनी माँ की 4. भारत माता को **(ङ)** 1. प्रयाण 2. सर्वोपरि 3. गर्व 4. प्राणों **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. **विशेषण** – वीर, **विशेष्य** – बालक 2. **विशेषण** – बूढ़े, **विशेष्य** – आदमी 3. **विशेषण** – चतुर, **विशेष्य** – बालक 4. **विशेषण** – अबला, **विशेष्य** – नारी **(ख)** 2. जयपुरी 3. पंजाबी 4. पूर्वी 5. भारतीय 6. लखनवी **(ग)** 1. कविगण 2. नेतागण 3. विद्वानजन 4. लेखकवर्ग **(घ)** छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 धरती का स्वर्ग : कश्मीर (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. कश्मीर यात्रा से एक सप्ताह बाद लौटने के कारण पत्र देर से मिला। 2. जिस बस में वातावरण के अनुसार तापमान में अपनी सुविधानुसार सामंजस्य कर लिया जाता है उसे वातानुकुलित बस कहते हैं। 3. झेलम नदी में 4. झेलम नदी पर बने पुलों को कदल कहा जाता है। 5. पत्र-शैली में 6. सुरक्षित रूप से परिवार जनों के पास वापस लौटना ही सुखद बात थी। **(ग)** 1. मार्तंड में खंडित सूर्य मंदिर अपनी शिल्पकला एवं वैभव के लिए प्रसिद्ध है। 2. उन्होंने मार्तंड का सूर्य मंदिर, वॉयजन एवं तुलिपन लोक देखे एवं अमरनाथ – यात्रा भी उन्होंने पहल गाँव में पहुँचकर की। 3. हाउसबोट में सोना मानों झूले में सोना एवं उसमें सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं। 4. कश्मीर के प्रात: कालीन वातावरण, यहाँ की हरियाली, यहाँ की वादियाँ, मंदिर, झीलें, शिकारे व हाऊसबोट में बैठने के अनुभव और अन्य दर्शनीय स्थलों को देखने के बाद लेखिका कश्मीर को धरती का स्वर्ग बता रही है। 5. श्रीनगर में शंकराचार्य मंदिर, शालीमार व निशांत बाग, चश्मा-ए-शाही, रनमार्ग, गुलमार्ग, खिलनमार्ग, झेलम नदी पर बने पुल ये सब दर्शनीय स्थल है। 6. छात्राओं का मन न होने पर भी लौटना पड़ा क्योंकि उनका भ्रमण पूर्ण निर्धारित केवल एक सप्ताह के लिए ही था। **(घ)** 1. कश्मीर की 2. जम्मूतवी 3. श्रीनगर 4. सूर्य मंदिर 5. उमस-भरा **भाषा-ज्ञान – (क)** पठित – पठ् + इत; खंड् + इत – खंडित **(ख)** 1. बस 2. कॉफी 3. मंदिर 4. घर 5. रास्ता **(ग)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – रवि, जातिवाचक संज्ञा – पत्र 2. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जयपुर, जातिवाचक संज्ञा – छात्र 3. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जम्मू, जातिवाचक संज्ञा – छात्र 4. व्यक्तिवाचक संज्ञा – श्रीनगर, पहलगाँव, जातिवाचक संज्ञा – दल 5. व्यक्तिवाचक संज्ञा – रमन, जातिवाचक संज्ञा – घोड़ा **(घ)** 2. वह 3. उसके 4. उसकी 5. उसको **(ङ)** 1. हमें हाउस बोट में ठहराया गया। 2. मुझे शिकारा में बिठाया गया। 3. तुम्हारे द्वारा घोड़े पर सवारी की गई। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14 दोहा-सार (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. भगवान 2. चमक, इज्जत व जल 3. संपत्ति होने पर 4. विनाश 5. दूसरों को देता है। 6. रहीम एवं कबीर जी के **(ग)** 1. रहीम के अनुसार दीनबंधु गरीब लोगों की सहायता करता है। 2. रहीमानुसार बिना इज्जत के कोई वैभव नहीं होता है न ही मनुष्य के पास कोई संपत्ति और भोजन होता है। 3. वाणी बहुत अमूल्य हैं क्योंकि शरीर के घाव कुछ दिनों के बाद भर जाते हैं लेकिन अपनी वाणी द्वारा जो किसी के दिल को ठेस पहुँचाती है वह कभी ठीक नहीं होती है अत: हमें तोल-मोल के बोलना चाहिए। 4. काल करै सो आज कर, आज करै सो अब। पल में परलै होयगी, बहुरि करैगो कब॥ 5. वृक्ष और नदी के उदाहरण से कबीर दास जी परोपकार की बात कर रहे हैं। 6. सच्चा मित्र अमीरी-गरीबी नहीं देखता वह हमेशा विपत्ति में भी साथ निभाता है। **(घ)** 1. वे रहीम नर धन्य हैं, पर-उपकारी अंग। बाँटने वारे को लगे, ज्यों मेंहदी का रंग॥ 2. वृच्छ कबहुँ नहि फल भखैं, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने साधुन धरा शरीर॥ **(ङ)** 1. ईश्वर 2. परोपकारी 3. विपत्ति के समय साथ रहने वाला 4. वाणी 5. परमार्थ के लिए **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. हारना, गले का हार 2. टैक्स, हाथ 3. पान खाने वाला, पीना 4. पाँव, छन्द का चर्तुर्थांश **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. भाग्योदय 2. महोदय 3. हितोपदेश **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 लकड़ी का गणित (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. पेड़ की उम्र 2. सर्दी में 3. पेड़ों से 4. गहरा 5. 50-60 साल **(ग)** 1. वसंत व गर्मी में तेज वृद्धि के कारण पेड़ों के तने हल्के रंग के एवं जाड़ों में वृद्धि कम होने के कारण तना गहरे रंग का हो जाता है। 2. बूढ़े पेड़ के केन्द्र में स्थित नालियों में से पानी बहना बंद हो जाने से नालियों की दीवारें मोटी हो जाती हैं और लकड़ी का रंग गहरा हो जाता है। 3. बूढ़े पेड़ में नालियों की दीवारें मोटी हो जाने पर वह 'हार्टबुड' के नाम से जानी जाती है। 4. लकड़ी के पूरे कटान को देखकर व उन गोलों की संख्या गिनकर हम उस पेड़ की उम्र का पता लगा सकते हैं। 5. पेड़ की उम्र उसके गोल घेरे गिनकर पता की जा सकती हैं। पेड़ वसंत व ग्रीष्म ऋतु में तेजी से बढ़ते हैं एवं जाड़ों में इसकी वृद्धि की गति धीमी पड़ जाती है एवं इनकी लकड़ी का रंग क्रमश: हल्का व गहरा हो जाता है। पेड़ के बूढ़े या 50-60 साल का होने पर ये 'हार्डवुड' बन जाता है। **(घ)** 1. उस पर बने गोलों को गिनकर

2. हलका 3. सर्दी 4. सूक्ष्म लकीरें 5. पेड़ों की उम्र की **(ङ)** 1. पेड़ की 2. वसंत 3. पानी 4. हल्का 5. हार्डवुड **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 2. लंबाई 3. रोचकता 4. चौड़ाई 5. बढ़ाई 6. सूक्ष्मता **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 2. सालों 3. तने 4. शाखाऐं 5. गोले 6. दीवारें **(ङ)** पेड़ हमें बहुमूल्य चीजें प्रदान करते हैं, जैसे– फल-फूल, लकड़ी, औषधि, चारा, छाया एवं सब्जियाँ आदि। पेड़ों से वातावरण शुद्ध रहता है पेड़ों से प्राणवायु मिलती है। पेड़ भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं एवं भू-संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 हॉकी का आनन्द (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. जानवर 2. हाथी 3. रंगू लंगूर ने अपनी टीम के जानवरों से कहा। 4. चंपक वन ने चंदन वन को 1 गोल से हराया। 5. खेल को खेल भावना एवं धैर्य के साथ खेलना चाहिए। **(ग)** 1. भालू चंदन वन टीम के कप्तान का शेखी भरा वक्तव्य था 'हमारी टीम की जीत निश्चित है।' 2. चंपक वन टीम को कोई प्रोत्साहन नहीं मिल पाने के कारण वे गुमसुम थे। 3. चंपक वन टीम के कप्तान रंगू लंगूर के अपने खिलाड़ियों को कहा कि अभी तो आधा खेल शेष है, चाहो तो पासा पलट सकता है, वैसे भी मैं भालू राम का अहंकार दूर करना चाहता हूँ। 4. मैच के अंत में चंपक वन टीम की जीत हुई क्योंकि सियार ने लंबी हिट से गेंद मैदान के बीचों बीच पहुँचाई और चीकू से बंटी को गेंद मिली और उसने गोल कर दिया। 5. इस कहानी से हमें खेलों को खेल की भावना से खेलने एवं प्रत्येक परिस्थिति में धैर्य रखने की शिक्षा मिलती है। **(घ)** 1. अंतर वन हॉकी 2. जंगल टाइम्स 3. चंपक वन टीम 4. बंदर 5. रंगू लंगूर **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. चल रही थी। 2. लिखा है। 3. समाप्त हो गया। 4. बजी 5. मिला। **(ख)** 1. समझाया 2. बज रही थी। 3. स्वीकार है। 4. हो गए। **(ग)** 1. खचाखच-स्टेडियम 2. लंबी-हिट 3. गुमसुम-चेहरे 4. विपक्षी टीम 5. स्वर्ण कप **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–17 मानव की शक्ति (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. किसी भी परिस्थिति में विचलित न होना और धीरज रखना, यह सूरमा की विशेषता है। 2. जब मनुष्य ठान लेता है किसी कार्य को करने की तो विघ्न भी टिक नहीं पाते हैं। 3. अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन से मनुष्य पर्वत को भी उखाड़ देते हैं। 4. जो प्रयासरत नहीं होते हैं तथा परिश्रम नहीं करते हैं उन्हें रोशनी प्राप्त नहीं होती है। 5. अपनी अन्दर छुपी असीमित शक्तियों की पहचान करके प्रगति पथ पर बढ़ना - इस पाठ का विषय है। **(ग)** 1. कायर मनुष्य विपत्तियों में विचलित व व्याकुल हो जाता है जबकि वीर मनुष्य विपत्तियों में भी अपने धीरज व दृढ़-इच्छा शक्ति से नई राह खोज लेते हैं। 2. मानव अपनी ताकत से काँटो में भी राह बना लेता है और पत्थर को भी पानी बना सकता है, पहाड़ों को भी उखाड़ सकता है। 3. जैसे दीपक की बत्ती के बीचों बीच बहुत उजाला (रोशनी) होता हैं उसी प्रकार मनुष्यों में भी असीमित शक्तियाँ छुपी हुई हैं। 4. जो मनुष्य प्रयास नहीं करता है उसे रोशनी कभी नहीं मिलती हैं अर्थात् कामचोर व कमजोर लोगों को ही प्रकाश नहीं मिल पाता है। 5. प्रस्तुत कविता में मनुष्य को अपने अन्दर छुपी असीमित शक्तियों को पहचान कर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया गया है। 6. मनुष्य जब जोर लगाता है परिश्रम व दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ तो पहाड़ या पत्थर जैसी अड़िग परिस्थितियों को भी बदल सकता है। **(घ)** 1. विपत्ति 2. वीर 3. प्रखर गुण 4. रामधारी सिंह 'दिनकर' **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. विपदा, मुश्किलें 2. शूर, वीर 3. माता, अम्बा 4. डरपोक, भयभीत **(ख)** 1. वीर 2. उजाला 3. दानव 4. खुशहाली 5. अवगुण 6. पुनर्बलन **(ग)** 2. प् + र् + ख् + अ + र् + अ 3. व् + अ+ र् + त् + इ + क् + आ 4. प् + अ + त् + थ् + अ + र् + अ 5. र् + ओ + श् + अ + न् + ई **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–18 नन्हा जादूगर (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. जलपान 2. झील के किनारे 3. माँ बीमार थी। 4. ताश का खेल दिखाने का 5. अंत में बालक की माँ मर गई थी। **(ग)** 1. नन्हा बालक खेल-खेल में सभी खिलौनों से अभिनय कराने में माहिर था और इसी चातुर्य एवं वाचालता से लेखक प्रभावित हुआ। 2. निर्जीव खिलौनों से अपनी चतुरता व वाचालता के द्वारा अभिनय कराने का खेल दिखाता था। 3. लेखक नन्हें जादूगर की खेल दिखाने की मजबूरी को नहीं समझ सका इसलिए उसने तिरस्कार भरी दृष्टि से देखा। 4. लेखक की पत्नी के कहने पर खेल दिखाना शुरू किया तो मानों सभी निर्जीव खिलौने जीवित हो उठे उसकी भाषा में सभी खिलौने अभिनय करने लगे। 5. लेखक ने बालक की माँ के बारे में जानकर उसे बारह टिकट निशाना लगाकर खिलौने जीतने के लिए दिलाए। अंत में लेखक को बालक के लिए दया भाव जागा और वह बहुत स्वब्ध था क्योंकि उसकी माँ मर गई थी। **(घ)** 1. मेले में 2. खेल दिखाकर 3. काना 4. एक रुपया 5. हिंडोले से **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. बातूनी 3. छिपना 4. समग्र 5. जानकार 6. अपमानित **(ख)** 2. खेलों – खेलों में 3. कलमों – कलमों से 4. आँखे – आँखों से 5. किताबें – किताबों के लिए **(ग)** 1. गुप्त 2. निंदा 3. पुरस्कार 4. भाग्य 5. चतुर 6. जड़ 7. आय 8. कृतज्ञ 9. स्वार्थ 10. शोषण 11. सपूत 12. विशेष 13. सुलभ 17. उपकार **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-19 पर्यावरण प्रदूषण (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. पर्यावरण का दूषित (गंदा) होना ही प्रदूषण कहलाता है। 2. जनसंख्या वृद्धि से आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए (पेड़ों) वनों को काटा जा रहा है जिससे पर्यावरण असंतुलन बढ़ रहा है। 3. गाँधी जी ने पर्यावरण का ध्यान रखते हुए कागज का दुरुपयोग बंद किया क्योंकि कागज बेकार करने से अधिक पेड़ काटने की आवश्यकता पड़ती है। 4. ''वृक्ष पर्यावरण के रक्षक हैं।'' सुखी जीवन के लिए वृक्ष आवश्यक हैं, वृक्षों से वातावरण शुद्ध रहता है। वृक्षों से बहुत सी उपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं जैसे– रबर, फल-फूल, गोंद, लकड़ी औषधि, चारा आदि। वृक्षों से प्राणवायु मिलती हैं। वृक्ष कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करके वातावरण को शुद्ध करने में सहायक होते हैं ये भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं एवं भू-संरक्षण में सहायक है। 5. पर्यावरण प्रदूषण से शुद्ध वायु व जल का अभाव होता जा रहा है एवं प्राकृतिक आपदाऐं बढ़ रही हैं ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति पैदा हो गई

है। **(ग)** 1. पर्यावरण का तात्पर्य हमारे चारों ओर के परिवेश से है। इसके अन्तर्गत प्राकृतिक, अप्राकृतिक, जड़ एवं चेतन सभी वस्तुएँ जैसे मनुष्य, जीव-जन्तु पेड़-पौधे, भूमि, जल एवं वायु आते हैं। 2. पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने आस-पास के वातावरण की स्वच्छता का ध्यान रखना एवं उसके संतुलन में सहयोग करना हमारा परम कर्त्तव्य है। 3. पर्यावरण प्रदूषण के रोकने में वृक्षों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि पेड़ों से भूमि संरक्षण एवं ध्वनि प्रदूषण को रोकने में सहायता मिलती है एवं वृक्ष कार्बनडाई ऑक्साइड के अवशोषण से वायु प्रदूषण में सहायक हैं एवं सजीवों को प्राणवायु मिलती है। 4. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या लोगों की सुख-सुविधाओं के साथ जुड़ी हुई है क्योंकि मनुष्यों की आवश्यकताएँ असीमित होती जा रही है और इनकी पूर्ति के लिए अधिक से अधिक पेड़ काटे जा रहे हैं, बहुत से उद्योग स्थापित हो रहे हैं जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। 5. यदि प्रदूषण नहीं रोका गया तो मनुष्य शुद्ध जल, वायु, भोजन एवं शान्त वातावरण के लिए तरस जाएगा। **(घ)** 1. ऑक्सीजन 2. ये सभी 3. उपरोक्त सभी 4. उपरोक्त सभी 5. उपरोक्त सभी **भाषा-ज्ञान –** 1. उपस्थिति 2. वादन 3. अधि 4. अभाव 5. काल 6. सम्पूर्ण 7. कु 8. धान 9. विरोध 10. रिक्त **(क)** 2. उपाय 3. हानि 4. जड़ 5. नदी 6. नहर 7. चौपाया 8. नाव **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 2. नीर 3. जिन्दगी 4. संसार 5. हवा 6. वृक्ष 7. मानव 8. धरा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–20 डॉ. अब्दुल कलाम (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. तीन सपनें (1) स्वतंत्रता (2) भारत का विकास (3) भारत दुनिया के साथ चले। 2. उनका तीसरा सपना है कि भारत दुनिया के साथ चले क्योंकि मैं जानता हूँ कि यदि भारत दुनिया से बराबरी करते हुए नहीं चलेगा तो कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा। 3. अब्दुल कलाम ने संदेश दिया है कि भारत के कर्णधारों को भविष्य से ड़रने की जरूरत नहीं है अगर उन्होंने लक्ष्य निर्धारित कर लिए हैं। 4. सकल घरेलू उत्पाद के क्षेत्र में भारत दुनिया के पाँच पहले देशों में हैं। 5. डॉ. अब्दुल कलाम भारत के पहले वैज्ञानिक हैं जो राष्ट्रपति बने। इन्हें तीस विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट की उपाधि मिली, 'पद्म भूषण', 'पद्म विभूषण' एवं 'भारत रत्न' की प्राप्ति हुई। **(ग)** 1. डॉ. अब्दुल कलाम के अनुसा ज्ञान के चार अंग हैं– (1) सृजनशीलता (2) नीति परायणता (3) साहस (4) अंतहीन जोश व लगन 2. अब्दुल कलाम की रचना 'युवाओं के गीत' में नई पीढ़ी के युवाओं को बड़े उद्देश्य रखने का संदेश मिलता है। 3. डॉ. अब्दुल कलाम के तीन प्रमुख सपने थे। (1) स्वतंत्रता का (2) भारत का विकास और (3) भारत के दुनिया के साथ चलने का। उनके इन सपनों के अनुसार वे भारत की स्वतंत्रता को कायम रखते हुए इसके सम्मान एवं विकास की ओर अग्रसर होते हुए भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ाकर आत्मनिर्भर एवं विकसित होते हुए देखना चाहते हैं। 4. कलाम को वैज्ञानिक बनने की प्रेरणा रामेश्वरम के तट पर पक्षियों की उड़ान देखकर मिली। 5. डॉ. अब्दुल कलाम ने डॉ. सी.वी.रमन के शब्दों को प्रतिध्वनित करते हुए कहा है– युवाओं को क़भी निराश होकर हिम्मत नहीं खोनी चाहिए। **(घ)** 1. जीवन पर्यन्त 2. सन् 2021 तक 3. गहन अध्ययन 4. युवाओं का तेजस्वी दिमाग 5. चिड़िया के **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. दूसरा 2. देशभक्त 3. अपने स्वतंत्र 4. अपने सर्वश्रेष्ठ 5. अधिकतर, हमारी 6. वह 7. करोंगें **(ख)** 1. अप्रत्याशित 2. अनन्त 3. अननुभूत 4. प्रत्यक्ष 5. सुलभ 6. निराधार **(ग)** 1. शक्तिशाली 2. जटिल 3. ज्ञान 4. स्फूर्ति 5. सुखद 6. शांति **(घ)** 1. जग, संसार 2. निकेतन, सदन 3. आकांक्षा, अभिलाषा 4. स्त्री, नारी 2. उद्देश्य, निशाना 6. वसुधा, पृथ्वी 7. शिक्षक, गुरु 8. लाल, सुत **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-21 आत्मविश्वास की जीत (क) मौखिक प्रश्न – छात्र स्वयं करें। **(ख) लिखित –** 1. नील और धरा; धरा 10 वर्ष की एवं नील 8 वर्ष का था। 2. परीलोक में 3. नील बहुत दिनों बाद गाँव वापस पहुँचा इसलिए खुश था। 4. धरा ने किताबें सभी गाँव के बच्चों के बीच बाँट दी। 5. धरा ने पहले वरदान में एक उड़न खटोला माँगा। **(ग)** 1. धरा का भाई कहाँ होगा, कैसा होगा इस विचार ने ही उसको झकझोर दिया और वह अपने भाई को ढूँढ़ने निकल पड़ी। 2. अपने भाई को खोजते हुए उसे जंगल में महात्मा की कुटिया मिली। 3. महात्मा जी ने धरा को अपने भाई को परियों से वापस पाने का तरीका समझाया। 4. धरा अपने भाई को महात्मा के कहे अनुसार सातवें वरदान में परियों से माँगते हुए उड़न खटोले में बिठा छुड़ा कर लाई। 5. गाँव वालों के आँखों में खुशी के आँसू व कौतूहल था एवं पूरे गाँव में उत्सव-सा माहौल था। **(घ)** 1. शोक में 2. खत 3. जंगल में 4. पारियाँ **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. रात, निशा 2. चक्षु, लोचन 3. माँ, जननी 4. धरती, भूमि 5. वन, अरण्य **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 2. चिकित्सा + आलय 3. सूर्य + उदय 4. शब्द + अर्थ 5. विद्या + आलय **(घ)** 2. परमेश्वर 3. भ्रष्टाचार 4. पुस्तकालय 5. भोजनालय **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-1 – छात्र स्वयं करें। **प्रश्न पत्र-2** – छात्र स्वयं करें। **प्रश्न पत्र-3** – छात्र स्वयं करें।

❑❑❑